RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:106 ता. 11 अक्टूबर 2023, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

रेवड़ी कल्चर पर चुनाव आयोग के तीखे सवाल, सीईसी बोले- जनता को भी पता चले कैसे पूरे होंगे वादे

नई दिल्ली। रेवड़ी कल्चर यानी मुफ्त की योजनाओं को लेकर चुनाव आयोग ने राजनीतिक पार्टियों पर बड़े सवाल उठाए हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि राजनीतिक दल चुनाव से पहले बड़ा तड़का लगाते हैं। उन्होंने कहा कि एक राज्य में एक ऐलान किया जाता है और फिर दूसरे राज्य में उससे भी बढ़कर ऐलान होता है। मुझे समझ नहीं आता कि आखिर पांच साल इस तरह की घोषणाएं और वादे क्यों नहीं किए जाते हैं। चुनाव से पहले ही मुफ्त वाली योजनाओं के वादे याद आ जाते हैं। सीईसी राजीव कुमार ने कहा राजनीतिक दलों ने रेवड़ी कल्चर को बढ़ावा देना अपना अधिकार समझ लिया है। वे अपने घोषणापत्र में बड़े-बड़े वादे करते हैं। वहीं जनता को भी यह जानने का अधिकार है कि जिन मुफ्त की योजनाओं का वादा किया गया है आखिर उनको पूरा करने के पीछे प्लान क्या है। इसके लिए बजट कहां से आएगा। क्या लोगों पर टैक्स का बोझ बढ़ाया जाएगा या फिर कुछ योजनाएं बंद कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने पिछले साल ही मैनिफेस्टो गाइड में परिवर्तन किया है और एक प्रोफॉर्मा शामिल कर दिया है जिसमें राजनीतिक दलों को अपने चुनावी वादों के बारे में जानकारी देनी होगी। हालांकि यह अभी प्रभाव में नहीं है। उन्होंने कहा कि इस प्रोफॉर्मा में कितने लोगों को लाभ मिलेगा, इसके लिए वित्त के स्रोत क्या हैं, नए टैक्स, पुरानी योजनाओं के बारे में विचार आदि को जगह दी जाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने इस प्रोफॉर्मा को लेकर राजनीतिक दलों से भी बात कर ली है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है। इसपर फैसला आने के बाद इस प्रोफॉर्मा को लागू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मतदाताओं को अधिकार है कि वे अपनी आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित करें। ऐसे में लोकलुभावने वादों से बचते हुए उन्हें देश हित के बारे में सोचकर वोट देना होगा।

नीतीश और तेजस्वी का हथियार छीन लेगी कांग्रेस! आरक्षण की लकीर खत्म करने का भी प्लान

कांग्रेस ने सत्ता में आने पर आरक्षण की 50 फीसदी लिमिट को ही खत्म करने की बात कही है। इस तरह कांग्रेस ओबीसी आरक्षण और जातीय सर्वे के मामले में लालू और नीतीश कुमार से भी आगे बढ़ती दिख रही है।

नई दिल्ली। बिहार में जातीय सर्वे के बाद से पूरे देश में ही राजनीति की दिशा अब बदलती दिख रही है। जातीय सर्वे के बाद लालू यादव, नीतीश कुमार जैसे नेताओं ने आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी यानी आरक्षण की बात कही है तो कांग्रेस अब उनसे भी एक कदम आगे बढ़ने की कोशिश में है। बीते करीब एक दशक से लगातार कमजोर हो रही कांग्रेस भी अब इस मुद्दे को हाथोंहाथ ले रही है। उसे लगता है कि इस मामले में फ्रंट फुट पर रहने से वह एक ओबीसी वोटबैंक अपने समर्थन में तैयार कर सकेगी। बीते कुछ सालों में उसका मुस्लिम, सवर्ण और दलित वोटबैंक छीजता रहा है। ऐसे में अब ओबीसी वोटबैंक के जरिए ही वह अपना पिछड़ापन दूर करने की कोशिश में है।

शायद यही वजह थी कि सोमवार को कांग्रेस कार्यसमिति की मीटिंग में पूरे देश में जातीय जनगणना कराने की मांग की गई। इसके अलावा कांग्रेस शासित 4 राज्यों में जातिवार जनगणना कराने का ऐलान भी राहुल गांधी ने आगे बढ़कर किया। यही नहीं पार्टी ने यह प्रस्ताव भी रखा है कि वह सत्ता में आई तो आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट की ओर से लगी 50 फीसदी की लिमिट को भी खत्म किया जाएगा। इसके लिए संविधान संशोधन किया जाएगा। साफ है कि आने वाले दिनों में ओबीसी आरक्षण और जातिवार जनगणना को लेकर कांग्रेस का रुख और आक्रामक हो सकता है।

राहुल गांधी ने खुद मीडिया से बात की और कांग्रेस का रोडमैप बताते हुए जातीय सर्वे की तुलना एक्सरे से की। उन्होंने कहा कि यह समाज के लिए एक्सरे जैसा होगा, जिससे पता चलेगा कि कहां चोट लगी है और फिर इलाज किया जाएगा। कांग्रेस इस मामले में कितनी आक्रामक है, इसे इस बात से भी समझा जा सकता है कि जब ओबीसी के प्रतिनिधित्व की बात आई तो राहुल गांधी ने मीडियाकर्मियों से हाथ खड़े करा लिए। राहुल गांधी ने कहा कि इस रूम में ही कितने ओबीसी समाज के लोग हैं, यदि हैं तो वे हाथ खड़ा करें।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के रुख से साफ है कि पार्टी अब जातीय जनगणना और ओबीसी आरक्षण पर आक्रामक होगी। बता दें कि महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश और हरियाणा समेत कई राज्यों में ऐसे समुदाय हैं, जो खुद को ओबीसी की लिस्ट में शामिल करने की मांग करते रहे हैं। इन्हें लुभाने के लिए सरकारों ने आरक्षण को मंजूरी भी दी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट से रोक लग गई। ऐसे में लिमिट ही खत्म करने का कांग्रेस का वादा एक वर्ग को लुभा सकता है। हालांकि देखना होगी कांग्रेस कितनी आक्रामकता के साथ इसे जनता तक ले जाती है और इसका कितना असर होता है।

दिल्ली हाई कोर्ट की कार्यवाही का सीधा प्रसारण 11 अक्टूबर से होगा

शुरुआत में कुछ चुनिंदा मामलों की कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया जायेगा। हाई कोर्ट जल्द ही दूसरे बेंच की कार्यवाही का सीधा प्रसारण करेगी।

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट 11 अक्टूबर से कोर्ट की कार्यवाही का सीधा प्रसारण करेगा। इसकी शुरुआत चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली बेंच की कार्यवाही के सीधा प्रसारण से होगी। शुरुआत में कुछ चुनिंदा मामलों की कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया जायेगा। हाई कोर्ट जल्द ही दूसरे बेंच की कार्यवाही का सीधा प्रसारण करेगी। हाई कोर्ट के मुताबिक सीधा प्रसारण से संबंधित कंटेंट केवल सूचना के लिए होंगे और वो कोर्ट के आधिकारिक रिकॉर्ड के रूप में नहीं माने जाएंगे। कोर्ट की कार्यवाही के सीधा प्रसारण को कोई भी व्यक्ति, सोशल मीडिया प्लेटफार्म या मीडियाकर्मी रिकॉर्ड नहीं कर सकते हैं। दिल्ली हाई कोर्ट की कार्यवाही पूरे तरीके से पेपरलेस है। इसकी सुनवाई हाइब्रिड तरीके से यानी वीडियो कांफ्रेंसिंग और फिजिकल दोनों मोड से एक साथ होती है। कोर्ट में अर्जी, जवाब या दस्तावेज भी ऑनलाइन दाखिल किए जाते हैं।

जगन्नाथ पुरी में 1 जनवरी से ड्रेस कोड लागू होगा

मंदिर प्रबंधन ने श्रद्धालुओं के फटे जीन्स, स्कर्ट और स्लीवलेस कपड़े पहनने पर रोक लगाई

पुरी। ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को अब ड्रेस कोड फॉलो करना होगा। मंदिर प्रबंधन ने सोमवार (9 अक्टूबर) को बताया कि अगले साल 1 जनवरी से ड्रेस कोड लागू किया जाएगा।ड्रेस कोड के बारे में श्रद्धालुओं को आज से ही जागरूक किया जाएगा।

न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, ड्रेस कोड लागू होने के बाद लोग जगन्नाथ मंदिर में हाफ पैंट, फटे जीन्स, स्कर्ट और स्लीवलेस कपड़े पहनकर नहीं जा सकेंगे। मंदिर की नीति सब-कमेटी की मीटिंग में यह फैसला लिया गया है।

हालांकि, मंदिर में किस तरह के कपड़े पहनने की इजाजत होगी, अभी यह तय नहीं हुआ है। जगन्नाथ मंदिर प्रबंधन के चीफ रंजन कुमार दास ने बताया कि कुछ लोग मंदिर के भीतर असभ्य कपड़े पहनकर आते हैं।

कुछ लोग हाफ पैंट और स्लीवलेस कपड़ों में आते हैं, जैसे बीच या पार्क में घूमने आए हो। मंदिर में भगवान रहते है। यह मनोरंजन की जगह नहीं है। इससे दूसरे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत होती है।

सुरक्षाबल और प्रतिहारी करेंगे श्रद्धालुओं के कपड़ों की निगरानी

जगन्नाथ मंदिर प्रबंधन के चीफ ने कहा कि मंदिर की मर्यादा और पवित्रता को बरकरार रखना हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए 1 जनवरी 2024 से ड्रेस कोड का कड़ाई से पालन होगा। मंदिर के सिंह द्वार पर तैनात सुरक्षाबल और मंदिर के भीतर प्रतिहारी सेवक इसकी निगरानी करेंगे।

भारत के इन दो प्रसिद्ध मंदिरों में पहले से ड्रेस कोड लागू...

द्वारकाधीश मंदिर

इस साल जुलाई में गुजरात के द्वारकाधीश मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए ड्रेस कोड लागू किया गया था। मंदिर के बाहर चारों तरफ ड्रेस कोड को लेकर गुजराती-हिंदी-अंग्रेजी भाषा में लिखे बोर्ड भी लगाए गए थे। इस पर लिखा था कि मंदिर दर्शन की जगह है, खुद की प्रदर्शनी की नहीं। मंदिर में आने वाले सभी भक्तों से निवेदन है कि वे सादे कपड़े पहनकर ही मंदिर में प्रवेश करें। छोटे कपड़े, हाफ पैंट, बरमूडा, मिनी टॉप, मिनी स्कर्ट, नाइट सूट, फ्रॉक और रिप्ड जींस जैसे कपड़े पहने हुए लोगों को मंदिर में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। पूरी

महाकाल मंदिर

मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर के गर्भगृह में आम श्रद्धालुओं के लिए सितंबर में ड्रेस कोड लागू किया गया था। ड्रेस कोड के तहत पुरुषों को धोती-सोला और महिलाओं के लिए साड़ी पहनना जरूरी है। इससे पहले विशेष दिनों यानी जब आम श्रद्धालुओं का गर्भगृह में प्रवेश बंद होता था, तब ही ड्रेस कोड अनिवार्य रहता था। यानी गर्भगृह में प्रवेश करने वालों को धोती और सोला पहनना होता था।

अमानतुल्लाह खान के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद 'आप' पर नई मुसीबत

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी (आप) का सामना एक और मुसीबत से हो गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'आप' के विधायक अमानतुल्लाह खान के ठिकानों पर छापेमारी की है। मंगलवार सुबह विधायक के ठिकानों पर ईडी की टीम पहुंची है। मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक केस में केंद्रीय जांच एजेंसी ने यह छापेमारी की है। अमानतुल्लाह खान ओखला से आम आदमी पार्टी के विधायक हैं और उनपर भ्रष्टाचार के आरोप लग चुके हैं। एक केस में एसीबी ने उन्हें गिरफ्तार भी किया था। बताया जा रहा है कि दिल्ली एंटी करप्शन ब्यूरो और सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) की ओर से अमानतुल्लाह खान पर दर्ज के आधार पर ईडी ने कार्रवाई की शुरुआत की है। यह मामला दिल्ली वक्फ बोर्ड में भर्ती अनियमितता से संबंधित है, जिसके अमानतुल्लाह चेयरमैन हैं।

शोपियां में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, लश्कर के दो आतंकी ढेर किए गए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सुरक्षाबलों ने एक मुठभेड़ के दौरान दो आतंकियों को मार गिराया। जंगलों में और भी आतंकियो छिपे होने की आशंका है। पुलिस और सेना के संयुक्त ऑपरेशन में आतंकियों को ढेर किया गया है। अब इस क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

बता दें कि शोपियां के अलशिपोरा में सुरक्षाबलों ने आज तड़के सुबह दो आतंकियों को मार गिराया। मुठभेड़ सोमवार को देर रात शुरू हुई थी। कश्मीर पुलिस जोन ने एनकाउंटर की जानकारी दी। बता दें कि कुलगाम में भी 4 अक्टूबर सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को ढेर कर दिया गया था। खुफिया रिपोर्ट के बाद सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों को घेर लिया था और फिर मुठभेड़ के दौरान वे मारे गए। दोनों आतंकी कुलगाम के ही रहने वाले थे।

कश्मीर पुलिस के मुताबिक आतंकियों की पहचान मोरीफत मकबूल और जाजिम फारूक के तौर पर हुई है जिसे अबरार के नाम से भी जाना जाता था। ये आतंकवादी लश्कर-ए-तैयबा से संबंध रखते हैं। कश्मीर पुलिस के एडीजीपी ने बताया कि अबरार कश्मीरी पंडित संजय शर्मा की हत्या में भी शामिल था। एडीजी ने कहा कि इस तरह से आतंकवादी मजदूरो, महिलाओं, कश्मीरी पंडितों और निहत्थे लोगों को निशाना बनाकर घाटी में शांति के प्रयासों को रोक नहीं सकते हैं। सेना और पुलिस का आतंकवादियों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। बता दें कि कुलगाम में हिजबुल के दो आतंकी मारे गए थे। मौके से आपत्तिजनक दस्तावेज और बड़ी मात्रा में गोला बारूद बरामद किया गया था।

नोएडा में आधी रात को क्यों बवाल, दो समुदायों में खूब चले लाठी-डंडे और धारदार हथियार; तनाव के बाद फोर्स तैनात

नोएडा। पुलिस के मुताबिक रात करीब साढ़े दस बजे पंकज अपनी कार से जा रहा था। इस दौरान एक संकरी गली में इंतजार की बाइक कार से भिड़ गई। इस बात को लेकर पंकज और इंतजार के बीच कहासुनी होने लगी। कहासुनी ने थोड़ी ही देर में बड़े विवाद का रूप ले लिया। झगड़े की जानकारी मिलने पर दोनों पक्षों के लोग मौके पर आ गए और बहस शुरू हो गई। इस दौरान कुछ लोगों के बीच गाली गलौज हुई, जिसके बाद दोनों पक्षों में मारपीट होने लगी। मारपीट के दौरान दोनों पक्षों के लोगों के बीच जमकर लाठी-डंडे और धारदार हथियार चले। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने वीडियो भी बनाया। रात 12 बजे तक घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा रही। दो पक्षों के लोगों के बीच विवाद बढ़ता देखकर गांव में हड़कंप मच गया। झगड़े की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची सेक्टर-39 पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। दोनों पक्षों के खिलाफ जानलेवा हमला करने सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने एक पक्ष के इंतजार, राशिद, वासिफ और रसीद समेत पांच जबकि दूसरे पक्ष से पंकज भाटी, तरुण भाटी और यश भाटी समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया। एडीसीपी ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए गांव में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। फिलहाल माहौल शांत है। पुलिस इस मामले के अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी में जुटी हुई है।

कहासुनी ने थोड़ी ही देर में बड़े विवाद का रूप ले लिया। झगड़े की जानकारी मिलने पर दोनों पक्षों के लोग मौके पर आ गए और बहस शुरू हो गई। इस दौरान कुछ लोगों के बीच गाली गलौज हुई

पहले भी विवाद हो चुका

लोगों का कहना है कि पूर्व में भी दोनों पक्षों में पार्किंग सहित अन्य वजहों से कहासुनी और मारपीट हो चुकी है। घटना के बाद एसीपी समेत अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और शीर्ष अधिकारियों को घटना से अवगत कराया। एसीपी रजनीश वर्मा का कहना है कि गांव में दो पक्षों में बाइक और कार टच होने पर विवाद हो गया था। कहासुनी के बाद हुई मारपीट में कुछ लोगों को मामूली चोट आई। इस मामले में दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मौके पर पुलिस बल तैनात है।

तमंचे और हथियार लहराने का भी आरोप

लोगों ने बताया कि मारपीट के दौरान दोनों पक्ष की ओर से तमंचा लहराया गया। कुछ लोगों के पास चाकू और धारदार हथियार भी थे। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है। इस संबंध में स्थानीय लोगों से भी पूछताछ हुई है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है।

एक चिंगारी ने ले ली पटाखा यूनिट में काम करने वाले 11 लोगों की जान

चेन्नई । तमिलनाडु की अरियालुर पटाखा यूनिट में विस्फोट में अब तक 11 लोगों की जान चली गई है। आज फिर विस्फोट में झुलसे एक और पीड़ित की मौत हो गई। इस तरह से मंगलवार को मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह 80 फीसदी जली हालत में तंजावुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराए गए 21 वर्षीय मुरुगानंदम की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान पी. सीनू (24), डी. पन्नीरसेल्वम (55), एस.रवि (45), आर. शिवकामी (45), के. रासथी (43) और एस. वेन्निला (38), के. अराविलगन (57), यू. शिवकुमार (50) और वी. आनंदराज (54) के रूप में हुई है। एक पुरुष के शव की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। जिस फैक्ट्री और गोदाम में सोमवार को यह घटना घटी वह वेत्रियुर मदुरा विरागुलर गांव में स्थित है। फैक्ट्री के मालिक राजेंद्र (65) और उनके दामाद अरुण कुमार (39) को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दीपावली के मद्देनजर, राजेंद्रन ने 30 और श्रमिकों को नियुक्त किया था जो पटाखों की मांग को पूरा करने के लिए ओवरटाइम काम कर रहे थे, जब यह घटना हुई। विस्फोटक घटकों में एक चिंगारी के कारण बड़ी तबाही हुई और आग ने पटाखा यूनिट और गोदाम परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। जबकि अन्य लोग सुरक्षा के लिए भागे, उनमें से ग्यारह की मौत हो गई और 20 से अधिक घायल हो गए। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मृतकों के परिजनों को 3 लाख रुपये और विभिन्न अस्पतालों में इलाज करा रहे लोगों को 1 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है।

गुलाबी सर्दी ने दी दस्तक, शिमला में खिली धूप तो धर्मशाला में हुई बारिश

शिमला । हिमाचल प्रदेश में गुलाबी सर्दी ने दस्तक दे दी है। प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की सर्दी के दौरान पर्यटकों द्वारा धूप सेंकने का आनंद भी लिया जा रहा है। हालांकि धर्मशाला में तेज बारिश होने के भी समाचार हैं। इतना ही नहीं सूबे के 4 जिलों में बर्फबारी भी देखने को मिली है। फिलहाल, मौसम साफ बना हुआ है। लेकिन बीती रात को काफी तेज बारिश और बर्फबारी हुई है। मौसम विभाग ने आज यहां बारिश का अनुमान लगाया है। जानकारी के अनुसार, बीती रात को किन्नौर जिले में मौसम ने करवट बदली और जिले के ऊंचाई वाले क्षेत्रों और पहाड़ों पर सीज़न की पहली बर्फबारी हुई। इस दौरान किन्नौर के निचले क्षेत्रों में हल्की-हल्की बारिश होने से मौसम कूल-कूल हो गया। चंबा और शिमला में धूप खिली है। ऊंचाई वाले गाँव छितकुल और नेसंग में बर्फबारी शुरू होने से सेब तूड़ान का काम प्रभावित हुआ है। फिलहाल, किन्नौर में ठंड महसूस की जा रही है। मौसम के करवट लेने के बाद अब मनाली के रोहताँग पास सहित आसपास के क्षेत्रों में देर रात को ताज़ा बर्फ़बारी हुई है। इससे मनाली और आसपास के इलाकों में ठंड बढ़ गई है। घाटी में अक्तूबर के पहले सप्ताह के बाद बर्फबारी से सर्दियों ने भी दस्तक दी है। यहां पर पर्यटकों तथा स्थानीय लोगों ने गर्म कपड़ों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। जानकारी बता रहे हैं ?कि धर्मशाला में विश्वकप के मैचों के आयोजन में मौसम बाधा बन सकता है। देर रात यहां बारिश हुई है। अभी धर्मशाला में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के करीब है। लेकिन दिन भर धूप खिली रहने की भी उम्मीद है। यहां पर दिन में बारिश की संभावना 20 फीसदी रहेगा। धौलाधार की बर्फ़ीली वादियाँ भी दर्शकों का आज मन मोहने वाली हैं। हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति में केलांग घाटी में बीती रात को मौसम बदला और रोहतांग दर्रा, बारालाचा, कुंजोम जोत समेत ऊंची चोटियां ने बर्फ़ की सफ़ेद चादर से ढकी। निचले इलाकों में हल्की बारिश हुई है। यहां पर मौसम के अचानक करवट लेने से तापमान में गिरावट आई है। फिलहाल, घाटी में मंगलवार सुबह के समय मौसम साफ़ बना हुआ है। प्रदेश के दूसरे जिलों में हल्की बारिश के अलावा, शिमला में धूप खिली है। हालांकि, बीच बीच में बादल भी डेरा डाल रहे हैं, लेकिन यहां पर अच्छी धूप खिली हुई है। मौसम के बदलने से लाहौल स्पीति के कुकुमसेरी में न्यूनतम पारा 4 डिग्री के करीब दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने 10 अक्तूबर के बाद अगले तीन दिन तक मौसम साफ रहने का अनुमान लगाया है।

भड़काऊ भाषण मामले में अरुंधति रॉय के खिलाफ चलेगा मुकदमा, दिल्ली के राज्यपाल ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मंगलवार को लेखिका अरुंधति रॉय और कश्मीर विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर शेख शौकत हुसैन के खिलाफ उनके कथित भड़काऊ भाषणों को लेकर 2010 के एक मामले में मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी। दोनों पर 2010 में दिल्ली में एक सेमिनार के दौरान भारत विरोधी टिप्पणी करने का आरोप था। 'आज़ादी- द ओनली वे' नामक एक सम्मेलन में उनके भाषणों को लेकर सुशील पंडित और 'रूट्स इन कश्मीर' नाम के एक कश्मीरी पंडित संगठन द्वारा उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी। दिल्ली के उपराज्यपाल ने कहा कि अरुंधति रॉय और शेख शौकत हुसैन के खिलाफ प्रथम दृष्टया धारा 153ए (विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना), 153बी (राष्ट्रीय-एकीकरण के लिए प्रतिकूल आरोप, दावे) और 505 (जनता को भड़काने वाले बयान) के तहत अपराध करने का मामला बनाया गया था। हालाँकि, राजद्रोह का मामला बनने के बावजूद, उपराज्यपाल ने आईपीसी की धारा 124ए (देशद्रोह) के तहत उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी नहीं दी, क्योंकि मई 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया था कि राजद्रोह के आरोपों के तहत सभी लंबित परीक्षणों और कार्यवाही को स्थगित रखा जाए।

केंद्र के चुनावी बांड योजना को चुनौती: सुप्रीम कोर्ट 31 अक्टूबर से करेगा अंतिम सुनवाई

नई दिल्ली उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह 'चुनावी बांड योजना' की वैधता पर फैसले के लिए 31 अक्टूबर को अंतिम सुनवाई शुरू करेगा और इसमें कोई बाधा आती है तो अगले दिन भी सुनवाई की जाएगी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने अंतिम सुनवाई की तारीख तय करने का फैसला किया। शीर्ष अदालत के समक्ष एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी), डॉ.जया ठाकुर (कांग्रेस नेता), स्पंदन बिस्वाल और अन्य की ओर से केंद्र सरकार की चुनावी बांड योजना के खिलाफ दायर की गई थी। चुनावी बांड योजना राजनीतिक दलों के लिए धन जुटाने के प्रमुख स्रोतों में शामिल है। पीठ के समक्ष एनजीओ एडीआर के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि चुनावी बांड योजना को इस लिए चुनौती दी गई कि यह एक धन विधेयक में पारित किया गया था। इसके अलावा गुमनाम फंडिंग के प्रावधान के कारण यह योजना नागरिकों के सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है। इस योजना से राजनीतिक दलों को बड़ी मात्रा में धन उन कंपनियों से आता है, जिन्हें उनसे कुछ लाभ प्राप्त हुआ है। इस तरह यह भ्रष्टाचार को भी भी बढ़ावा देता है।

स्कैन से बने एक करोड़ से अधिक ओपीडी कार्ड

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) ने एबीएचए-आधारित स्कैन और शेयर सेवा का प्रयोग करके ओपीडी पंजीकरण के लिए एक करोड़ से अधिक टोकन बनाने का एक बड़ा लक्ष्य हासिल कर लिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के अंतर्गत अक्टूबर 2022 में शुरू की गई यह कागज रहित सेवा मरीजों को आउट-पेशेंट डिपार्टमेंट (ओपीडी) पंजीकरण काउंटर पर रखे गए क्यूआर कोड को स्कैन करने और तत्काल पंजीकरण के लिए अपनी एबीएचए प्रोफ़ाइल साझा करने की अनुमति देती है। यह सेवा इस समय भारत के 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 419 जिलों में 2,600 से अधिक स्वास्थ्य सुविधाओं में है।

भाजपा के लिए आदिवासी सिर्फ 'वनों के वासी', कांग्रेस देगी वास्तविक हक : राहुल

ब्यौहारी (शहडोल), (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा सांसद राहुल गांधी ने आज कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए आदिवासी सिर्फ 'वनों के वासी' हैं, जबकि कांग्रेस उन्हें जमीन का मालिक मानते हुए उन्हें उनका हक दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री गांधी मध्यप्रदेश के आदिवासीबहुल जिले शहडोल के ब्यौहारी में कांग्रेस की चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान पार्टी के प्रदेश प्रभारी रणदीप सुरजेवाला, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह समेत कई अन्य वरिष्ठ नेता भी उपस्थित रहे। कल मध्यप्रदेश के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद श्री गांधी की प्रदेश में ये पहली चुनावी सभा थी।

कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस आदिवासियों को सदा आदिवासी बोलती है, जबकि भाजपा उनके लिए 'वनवासी' शब्द का उपयोग करती है। आदिवासी का अर्थ है, जो हिंदुस्तान में सबसे पहले रहते थे और जो यहां की जमीन के मालिक हैं, जबकि वनवासी का मतलब है, जो सिर्फ वनों में रहते हैं और उनका जमीन पर कोई हक नहीं है। इसी दौरान श्री गांधी ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आदिवासियों के लिए पहले वनवासी शब्द का इस्तेमाल करते थे, लेकिन उन्होंने (श्री गांधी ने) श्री मोदी से कहा कि वे इस शब्द का इस्तेमाल कर आदिवासियों का अपमान ना करें, उसके बाद से प्रधानमंत्री ने वनवासी शब्द का इस्तेमाल बंद कर दिया है।

कांग्रेस नेता श्री गांधी ने कहा कि कांग्रेस पेसा कानून लेकर आई, लेकिन भाजपा ने उसे रद्द कर दिया। इसी दौरान उन्होंने दावा किया कि कमलनाथ सरकार ने मध्यप्रदेश में आदिवासियों को जमीन के पट्टे दिए थे, लेकिन बाद में आई भाजपा सरकार ने आदिवासियों को डरा कर उनकी जमीन छीन ली। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार आने पर आदिवासियों को उनका जमीन का हक वापस किया जाएगा। श्री गांधी ने जातिगत जनगणना के मुद्दे को भी एक बार फिर उठाते हुए कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर जातिगत जनगणना कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि देश से जुड़े सभी निर्णय 90 अधिकारी लेते हैं। इनमें से ओबीसी वर्ग के तीन अधिकारी हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि सरकार अगर एक रुपए के बजट का फैसला लेती है तो उसमें से 10 पैसे के बजट का फैसला भी आदिवासी अधिकारी नहीं करते। इस स्थिति को दूर करने के लिए कांग्रेस जातिगत जनगणना कराना चाहती है।

आठवें आयुर्वेद दिवस की मुख्य विषयवस्तु - हर दिन सभी के लिए आयुर्वेद

नई दिल्ली। केंद्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को आठवें आयुर्वेद दिवस के लिए 'हर दिन सभी के लिए आयुर्वेद卐 की मुख्य विषयवस्तु पर महीने भर चलने वाले आयुर्वेद उत्सव अभियान की शुरुआत की। श्री सोनोवाल ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में पूरे भारत में आठवें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के संबंध में एक महीने तक चलने वाले उत्सव अभियान का अनावरण किया। आयुर्वेद दिवस भगवान धन्वंतरि के सम्मान में पूरे भारत में मनाया जाता है। यह धनतेरस के साथ भी मनाया जाता है। केंद्रीय मंत्री ने आयुर्वेद के जन आरोग्य पहलू के लिए जन संदेश, जन भागीदारी और जन आंदोलन पर जोर दिया और कहा कि आयुष मंत्रालय का मानव कल्याण को बढ़ावा देने में आयुर्वेद की क्षमता का पता लगाने का लक्ष्य है। आयुर्वेद लोगों की भलाई के अलावा पर्यावरण, पौधों, जानवरों आदि की भलाई भी है। श्री सोनोवाल ने महीने भर चलने वाले समारोहों के पूरे सरकारी दृष्टिकोण के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि छात्रों, किसानों और जनता को आयुर्वेद के प्रति जागरूक करने के लिए पूरे भारत में एक महीने तक चलने वाले समारोहों की योजना बनाई गई है। इस वर्ष आठवां आयुर्वेद दिवस 10 नवंबर है। उन्होंने कहा कि विषय का चयन कृषि-आयुर्वेद को बढ़ावा देने, लोगों को स्वयं-भागीदारी के लिए सशक्त और प्रोत्साहित करके स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और आयुर्वेद की क्षमता का दोहन करने के लिए पेशेवरों को उत्साहित करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए किया गया है। इसमें टिकाऊ कृषि, मानव, पशु, पौधे, वन और जलीय कृषि स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा आदि पर ध्यान केंद्रित करने वाले क्षेत्रों का एक स्पेक्ट्रम शामिल है।

दिल्ली में अमित शाह से मिले पश्चिम बंगाल के राज्यपाल, मनरेगा बकाया और बाढ़ की स्थिति पर चर्चा की

कोलकाता/नई दिल्ली(एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के प्रतिनिधिमंडल को पश्चिम बंगाल में मनरेगा के बकाये का मुद्दा केंद्र के समक्ष उठाने का आश्वासन देने के एक दिन बाद राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से नई दिल्ली स्थित उनके आवास पर मुलाकात की।

इस दौरान, दोनों के बीच लगभग एक घंटे तक बातचीत हुई। कोलकाता में राजभवन के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, राज्यपाल ने मनरेगा के मद में केंद्र की बकाया निधि को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार के दावों के बारे में शाह से बात की।

उन्होंने बताया, 'चर्चा प्राथमिक रूप से मनरेगा के मद में पश्चिम बंगाल पर केंद्र सरकार के बकाये पर केंद्रित थी। बोस ने शाह को उत्तर बंगाल के जिलों में बाढ़ की स्थिति के बारे में भी जानकारी दी।' अधिकारी के अनुसार, टीएमसी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के तुरंत बाद बोस सोमवार शाम को नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए थे।

केंद्र सरकार ने पहले दावा किया था कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) से जुड़े पश्चिम बंगाल के खातों में विसंगतियां थीं और इसलिए भुगतान में देरी हुई। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने इस मुद्दे को तुरंत संबोधित करने के लिए मंगलवार को बोस का आभार जताया।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस के प्रति मेरी हार्दिक कृतज्ञताज मनरेगा के तहत वंचित पश्चिम बंगाल के 21 लाख से अधिक व्यक्तियों के उचित अधिकारों के लिए राज्यपाल के त्वरित हस्तक्षेप के वास्ते उनका आभार।' टीएमसी में दूसरे नंबर के नेता की हैसियत रखने वाले अभिषेक ने बोस द्वारा उन्हें भेजे गए पत्र की प्रति भी साझा की।

इस पत्र में राज्यपाल ने लिखा है, 'प्रिय अभिषेक बनर्जी, 9.10.2023 को मुझे सौंपे गए ज्ञापन में उल्लिखित मुद्दा भारत सरकार के समक्ष उठाया गया है।' पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक ने सोमवार को राज भवन में टीएमसी के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया था और मनरेगा बकाये से जुड़े मुद्दे पर बोस को एक ज्ञापन सौंपा था।

बैठक के बाद राज भवन के बाहर टीएमसी का पांच दिवसीय धरना खत्म हो गया था। शनिवार को राज्यपाल ने दार्जीलिंग में टीएमसी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की थी, जिसके बाद सोमवार को दोनों पक्षों के बीच राजभवन में बैठक हुई, जिसमें अभिषेक भी मौजूद थे। अभिषेक ने हालांकि धमकी दी कि अगर श्रमिकों को मनरेगा मजदूरी का 'भुगतान न किए जाने' के संबंध में संतोषजनक प्रतिक्रिया नहीं मिली, तो एक नवंबर को टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी के नेतृत्व में आंदोलन फिर से शुरू किया जाएगा। अभिषेक ने टीएमसी विधायकों, सांसदों, मंत्रियों और मनरेगा कार्यकर्ताओं के साथ हाल ही में नई दिल्ली में जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन किया था। उन्होंने केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति से मिलने के लिए कृषि भवन में ग्रामीण विकास मंत्रालय का रुख किया था। हालांकि, अभिषेक ने दावा किया कि लगभग डेढ़ घंटा इंतजार कराने के बाद मंत्री ने उनसे मिलने से इनकार कर दिया।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की बैठकों में वित्त मंत्री सीतारमण उठाएंगी कई महत्वपूर्ण मुद्दे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतराष्ट्रीय मंचों पर भारत हमेशा ही जनहित के मुद्दे उठाता रहा है। इस बार 11 से 15 अक्टूबर तक मोरक्को के माराकेच में जी20 बैठकों के साथ-साथ विश्व बैंक समूह और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की वार्षिक बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इसमें भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन करेंगी। इन बैठकों में शामिल होने के लिए वित्त मंत्री आज 10 अक्टूबर को रवाना हो रहीं है। वित्तमंत्री निर्मला और आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास चौथी जी20 वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स (एफएमसीबीजी) की बैठक की सह अध्यक्षता करेंगे, जिसमें जी20 देशों, आमंत्रित देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 65 प्रतिनिधिमंडल बहुपक्षीय चर्चाओं में भाग लेंगे।

इन बैठकों में बैंकों की मजबूती और तमाम वित्तीय चुनौतियों पर चर्चा होगी। जिसमें क्रिप्टो परिसंपत्तियों का मुद्दा भी उठाया जाएगा। बैठक के दौरान, स्वतंत्र विशेषज्ञ समूह द्वारा एमडीबी को मजबूत करने पर रिपोर्ट का खंड 2 भी जारी किया जाएगा। खंड 1 गांधीनगर, गुजरात में आयोजित तीसरे एफएमसीबीजी के दौरान जारी किया गया था।

इसके अलावा गोलमेज सम्मेलन ऋण पुनर्गठन पर हुई प्रगति पर चर्चा करेगा और तरीकों का पता लगाएगा। इसका मतलब जी20 देशों के काम का समर्थन करना है। यूएसए ट्रेजरी द्वारा आयोजित एक उच्च स्तरीय कार्यक्रम में केंद्रीय वित्तमंत्री आईएमएफ नीति प्राथमिकताओं और संस्थान को अपनी सदस्यता का समर्थन कैसे करना चाहिए विषय पर एक गोलमेज चर्चा में भाग लेंगी।

केंद्रीय वित्तमंत्री जी7 जापान प्रेसीडेंसी द्वारा विश?व बैंक समूह के साथ लचीला और समावेशी आपूर्ति-श्रृंखला संवर्धन (आरआईएसई) के लिए साझेदारी पर एक चर्चा में भी भाग लेंगे। माराकेच में आईएमएफ-डब्ल्यूबी की वार्षिक बैठक से इतर, वित्तमंत्री जी7 अफ्रीका मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन के दौरान व्यापक आर्थिक दृष्टिकोण पर चर्चा में भाग लेंगी। जर्मन संघीय आर्थिक सहयोग एवं विकास मंत्रालय और वैश्विक विकास केंद्र द्वारा सह-मेजबानी में निर्मला एमडीबी विकास विषय पर एक सत्र में अपनी बात रखेंगी।

ईडी ने ए. राजा की 15 अचल संपत्तियां की कुर्कु

नई दिल्ली, (एजेंसी)। धन शोधन मामलों की जांच करने वाली वित्त मंत्रालय की एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. राजा की 15 अचल संपत्तियां कुर्कु की हैं जो उन्होंने वन एवं पर्यावरण मंत्री रहते हुए अवैध कमाई के माध्यम से अर्जित की थीं। ईडी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि ये सम्पत्तियां राजा की बेनामी कंपनी मेसर्स कोवई शेल्टर्स प्रमोटर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर थी। इन्हें राजा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत कुर्कु किया गया है। बयान में कहा गया है कि पीएमएलए के तहत स्थापित निर्णायक प्राधिकारी ने कुर्की की पुष्टि की। विज्ञप्ति के मुताबिक ईडी की जांच में पता चला कि राजा पर्यावरण मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान (2004 से 2007 तक) एक गुरुग्राम की एक रियल-एस्टेट कंपनी को पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान की। यह कंपनी देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट कंपनियों में है और इसके शेयर बीएसई में सूचीबद्ध हैं। बयान के अनुसार रियल-एस्टेट कंपनी ने बदले में ए. राजा को रिश्वत दी है। यह रिश्वत वर्ष 2007 के आसपास भूमि के लिए कमीशन के रूप में राजा की बेनामी कंपनी के हाथ में गयी। यह कंपनी राजा ने 2007 में अपनी अपने परिवार के सदस्यों और उनके करीबी पारिवारिक मित्रों के नाम पर गठित की थी। इस कंपनी के गठन का एक मात्र उद्येश्य अपराध की कमाई को ठिकाने लगाने का एक मार्ग निकालना था। इस कंपनी का कोई कारोबार नहीं थी। विज्ञप्ति के अनुसार ईडी की जांच से पता चला कि इस कंपनी को मिले कमीशन के पैसे से कोयंबटूर में लगभग 55 करोड़ रुपये की 45 एकड़ जमीनें खरीदी गयी।

चुनाव आयोग की सुनवाई के बीच अजित पवार ने खुद को बताया एनसीपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष

मुंबई, (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में फूट को लेकर चुनाव आयोग में चल रही सुनवाई के बीच अजित पवार ने खुद को एनसीपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताया। अजित पवार आठ अन्य एनसीपी विधायकों के साथ इस साल 2 जुलाई को महाराष्ट्र सरकार में शामिल हुए। उन्होंने शिव सेना-भारतीय जनता पार्टी सरकार में उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। मंगलवार को उन्होंने कार्यालय में 100 दिन पूरे कर लिए। इस दौरान उन्होंने एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल होने के अपने कदम का बचाव किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि राज्य की राजनीतिक इतिहास को देखे तो कई शीर्ष राजनेताओं ने अतीत में ''अलग रुख'' अपनाया था।

अपने इस बयान से कही ना कही उन्होंने अपने चाचा शरद पवार पर निशाना साधा है। अजित पवार ने एक बयान में कहा कि रोजगार, समाज के सभी वर्गों का आर्थिक सशक्तीकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और सभी कल्याणकारी योजनाओं का कार्यान्वयन राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि एनसीपी सत्ता के माध्यम से इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए

प्रतिबद्ध है। आलोचना किसी भी राजनेता के जीवन का अभिन्न अंग है। मैं हमेशा रचनात्मक आलोचना का संज्ञान लेता हूं। मैं सकारात्मक और विकासात्मक राजनीति में विश्वास करता हूं। उन्होंने कहा कि किसी भी काम को उसके तार्किक अंत तक ले जाना और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना ही मेरा विश्वास है।

अजित पवार ने कहा कि राकांपा छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा फुले, शाहू महाराज, डॉ बी.आर. आंबेडकर और यशवंतराव चव्हाण के आदर्शों में विश्वास करती है। मेरे नेतृत्व में पार्टी इस विरासत को जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के राजनीतिक इतिहास में, कई शीर्ष नेताओं ने अलग-अलग राजनीतिक रुख अपनाया है। प्रत्येक नेता मौजूदा राजनीतिक और सामाजिक स्थिति के आधार पर अपना रुख अपनाता है। उन्होंने कहा कि मेरे नेतृत्व में राकांपा ने दो जुलाई, 2023 को इसी तरह का रुख अपनाया और राज्य सरकार में शामिल हो गई। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नाम और चुनाव चिह्न पर अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट के दावों पर सुनवाई की, हालांकि शरद पवार के नेतृत्व वाले पार्टी के धड़े ने तर्क दिया कि उनके प्रतिद्वंद्वी खेमे द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों में विसंगतियां हैं। आयोग ने पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न संबंधी दावों को लेकर शरद पवार तथा अजित पवार नीत खेमों की दलीलें सुनने के लिए अगली तारीख नौ नवंबर तय की।

41 किमी लंबी जमीन का टुकड़ा है गाजा पट्टी, जिसके लिए हो रहा भीषण युद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा पट्टी 41 किमी जमीन का वह टुकड़ा है जिसके लिए इजराइल और फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास द्वारा युद् किया जा रहा है। हमास द्वारा इजरायल में किए गए हमले के बाद अभी तक दोनों तरफ से सैकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। इजरायली पीएम नेतन्याहू के जंग के ऐलान के बाद इजरायल की सेना और वायुसेना हमास आतंकियों को सबक सिखा रही है। उस गाजा पट्टी पर लगातार राकेट से हमले जारी है जिसे लेकर इजरायल हमेशा से आक्रामक रहा है। दरअसल गाजा पट्टी, इज़राइल, मिस्र और भूमध्य सागर के बीच बसा एक छोटा सा क्षेत्र है जिसे दुनिया के सबसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में भी जाना जाता है। आतंकी इस्लामी फिलिस्तीनी संगठन हमास गाजा से ही इजरायल पर हमले कर रहा है। गाजा पट्टी लगभग दस किलोमीटर चौड़ा और 41 किलोमीटर लंबे क्षेत्र है और यहां 20 लाख से अधिक लोग रहते हैं। इसका मतलब है कि प्रति वर्ग किलोमीटर औसतन लगभग 5,500 लोग लोग रहते हैं।

वहीं इजरायल की बात करें तो यहां औसत जनसंख्या घनत्व लगभग 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है, जिससे आप समझ सकते हैं कि गाजा में कितनी घनी आबादी रहती है। गाजा पट्टी में रहने वाले लोग फ़िलिस्तीनी हैं। इसमें रहने वाले लोगों में यहां के मूल निवासी और शरणार्थी दोनों शामिल हैं। शरणार्थी यहां 1948 में इजरायल की स्थापना और उसके बाद इजरायलियों और फिलिस्तीनियों के बीच हुए सैन्य संघर्ष के बाद भागकर आ गए थे। यहां रहने वाले अधिकांश लोग उत्तर में, विशेषकर गाजा शहर में रहते हैं। यहां की जनसंख्या बहुत युवा है, लगभग 40त्न जनसंख्या 15 वर्ष से कम आयु की है। पूर्वी यरुशलम के साथ वेस्ट बैंक की सीमा इज़राइल, मृत सागर और जॉर्डन से जुड़ी हुई है। यह गाजा पट्टी बिल्कुल अलग है। यहां पर फतह पार्टी का शासन है जो फिलिस्तीन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन का सबसे मजबूत गुट है, जो इजरायल के अस्तित्व के अधिकार को मान्यता देता है और अधिकांश पश्चिमी देशों द्वारा इसे फिलिस्तीनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले के रूप में देखा जाता है।

फिलिस्तीन और कई दूसरे मुसलमान देश इजराइल को यहूदी राज्य के रूप में मानने से इनकार करते हैं। 1947 के बाद जब यूएन ने फिलिस्तीन को यहुदी और अरब राज्य में बांट दिया था जिसके बाद से फिलिस्तीन और इजरायल के बीच संघर्ष जारी है। इजरायल ने 25 सालों तक इस गाजा पट्टी पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन दिसंबर 1987 में गाजा के फिलिस्तिनियों के बीच दंगों और हिंसक झड़प ने एक विद्रोह का रूप ले लिया। सितंबर 2005 में इजराइल ने क्षेत्र से पलायन पूरा कर लिया और गाजा पट्टी पर नियंत्रण को फिलिस्तीनी अथॉरिटी (पीए) को सौंप दिया। हालांकि, इजरायल ने क्षेत्ररक्षा और हवाई गश्त जारी रखी। 2007 से गाजा पट्टी पर उग्रवादी इस्लामी समूह हमास का शासन है। हमास इज़रायल के साथ शांति प्रक्रिया को अस्वीकार करता है, यही वजह है कि उसने 7 अक्टूबर को अब तक का सबसे भीषण हमला किया है।

चीनी दूतावास में टक्कर मारने वाले कार चालक की पुलिस गोलीबारी में मौत

वॉशिंगटन। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में चीनी वाणिज्य दूतावास में कार से टक्कर मारने वाले शख्स की गोलीबारी में मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार एक कार चालक को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया है। पुलिस सार्जेंट कैथरीन विंटर्स ने मीडिया को बताया कि अधिकारियों ने चीनी मिशन में घुसे कार चालक से संपर्क किया, जिसके बाद दोनों पक्षों ने गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक, संदिग्ध की जान बचाने की हरसंभव कोशिश की गई, लेकिन अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दूतावास क्षेत्र में दोपहर तीन बजे के बाद भारी पुलिस बल तैनात कर जनता से इस इलाके से दूर रहने का आग्रह किया। टेलीविजन चैनल पर प्रसारित वीडियो में एक वाहन को चीनी वाणिज्य दूतावास की इमारत में टक्कर मारते देखा जा सकता है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, वीजा कार्यालय से एक कार को टकराते हुए देखा गया, जिसके बाद इमारत के सामने वाले हिस्से की घेराबंदी कर दी गई। विंटर्स के मुताबिक, उन्हें यह नहीं पता है कि वाहन इमारत से क्यों टकराया और उस समय कितने लोग उसके अंदर थे, लेकिन इस घटना में किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी विदेश मंत्रालय और चीनी वाणिज्य दूतावास के जांचकर्ताओं के साथ पुलिस घटना की तफ्तीश में जुटी है।

बैकअप लाइन में कूलेंट रिसाव से अंतरिक्ष यात्रियों को कोई खतरा नहीं

मास्को। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र (आईएसएस) की बैकअप लाइन से कूलेंट के रिसाव की जानकारी मिली है। हालांकि इससे अंतरिक्ष यात्रियों को ?किसी भी तरह का कोई खतरा नहीं है। रूसी अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि रूस की नयी वैज्ञानिक प्रयोगशाला के बाहरी बैकअप रेडियेडर में कूलेंट रिसाव से आईएसएस और वहां मौजूद अंतरिक्ष यात्री पूरी तरह से सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि प्रयोगशाला की मुख्य ताप नियंत्रण प्रणाली ठीक तरह से काम कर रही है। बता दें कि कूलेंट आमतौर पर एक तरल पदार्थ होता है, जिसका इस्तेमाल सिस्टम के तापमान को कम करने या नियंत्रित रखने के लिए किया जाता है। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रॉस्कोसमोस ने बताया कि रूस की नयी विज्ञान प्रयोगशाला के एक बाहरी बैकअप रेडियेटर से कूलेंट में रिसाव की सूचना है। एजेंसी ने कहा कि प्रयोगशाला की मुख्य थर्मल नियंत्रण प्रणाली सामान्य तरीके से काम कर रही है। रॉस्कोसमोस के मुताबिक, केंद्र और वहां मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों को किसी प्रकार का कोई खतरा नहीं है। इस मामले में नासा ने भी अंतरिक्ष केंद्र पर मौजूद सात अंतरिक्ष यात्रियों को किसी प्रकार का खतरा नहीं होने की पुष्टि की है। उसने बताया कि आईएसएस पर कामकाज सामान्य तरीके से जारी है। रॉस्कोसमोस के अनुसार, इंजीनियर रिसाव के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। यह घटना हाल ही में अंतरिक्ष केंद्र पर खड़े रूसी अंतरिक्ष यान से कूलेंट के रिसाव के बाद हुई है। उस रिसाव के लिए छोटे उल्कापिंडों को जिम्मेदार ठहराया गया था। रूस की जिस प्रयोगशाला में कूलेंट रिसाव की सूचना है, उसका नाम नौकू है, जिसका मतलब विज्ञान होता है। यह प्रयोगशाला जुलाई 2021 में अंतरिक्ष केंद्र पर पहुंची थी।

21 साल छोटे लडके से हो गया महिला को प्यार, सौतेले बाप से 4 साल बड़ा है महिला का बेटा

वॉशिंगटन। कहा जाता है कि प्यार अंधा होता है। जब किसी से प्यार हो जाता है, वह सामाजिक मान–मर्यादाओं को ताक पर रख देता है। एक महिला के साथ ऐसा ही हुआ। महिला को अपने से आधी उम्र के लड़के से प्यार हो गया। यहां तक तो ठीक था, जब उसने शादी की तो ये रस्म ही सामाजिक स्कैम बन गई। उसने ऐसे लड़के से शादी की है, जो उससे 21 साल छोटा है और उसका सौतेला बेटा उससे 4 साल बड़ा है। खुद महिला जिस घर की बहू बनी है, वहां सास भी उससे कम उम्र की है।ये कहानी डियाना बूमर नाम की महिला की है। जब वो 38 साल की थी, तो उसे अपने दोस्त के भतीजे से प्यार हो गया। उस वक्त स्टीवेन नाम के लड़के की उम्र महज 19 साल थी। एक साल बाद ही उन्होंने शादी भी कर ली। अब स्टीवेन की उम्र 27 साल है, जबकि महिला खुद 46 साल की है। डियाना के 4

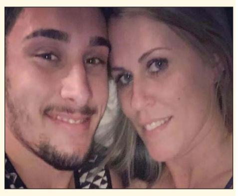

बच्चे हैं, जिनमें से सबसे बड़ा बेटा 31 साल का है और वो अपने सौतेले बाप से भी 4 साल बड़ा है। ट्विस्ट यहीं खत्म नहीं है, खुद डियाना भी अपनी सास से कुछ महीने बड़ी हैं और इस बात से उनकी सास काफी परेशान रहती हैं। डियाना चूंकि 22 साल एक शादी में रही हैं, ऐसे में उनके 13 से 31 साल तक के चार बच्चे हैं, जिनके सौतेले पिता के तौर स्टीवेन काफी यंग हैं। पेशे से प्लमर स्टीवेन ने जब अपने परिवार को इसके बारे में बताया तो वे दंग रह गए क्योंकि उन्हें पूरे परिवार का पालन–पोषण करना है। लोगों ने उनसे मुंह मोड़ लिया था लेकिन अब धीरे–धीरे सब ठीक हो रहा है।इस रिश्ते थे डियाना और उनके पति स्टीवेन भले ही खुश हैं, लेकिन पूरे परिवार में गजब का कनफ्यूजन है।

यूरोप में फ्रिज और एसी पर पाबंदी लगाने की तैयारी

–पर्यावरण और इंसानों के लिए होते है खतरनाक

लंदन। यूरोप में एयरकंडीशनर और फ्रिज पर पूरी तरह पाबंदी लगाने की तैयारी की जा रही है। दरअसल, हाइड्रोफ्लोरोकार्बंस पर्यावरण और लोगों की सेहत को बहुत ज?यादा नुकसान पहुंचाती हैं। लिहाजा, यूरोपीय संघ में बेहद खतरनाक ग्रीनहाउस गैसों में शामिल हाइड्रोफ्लोरोकार्बंस गैसों को फेज आउट करने पर संधि समझौता हुआ है। यूरोपीय संघ के सभी 27 सदस्य साल 2050 तक इन गैसों के इस्तेमाल पर पूरी पाबंदी लगाने पर सहमत हुए हैं। इन गैसों का हीटिंग और कूलिंग उपकरणों के अलावा फोम में भी इस्तेमाल किया जाता है। फ्लोरीन और हाइड्रोजन के परमाणुओं से बनाई गईं हाइड्रोफ्लोरोकार्बंस गैसें धरती को सूर्य के विकिरण से बचाने वाली ओजोन परत को नुकसान पहुंचाती हैं। यूरोप में 2023 की शुरुआत से ही फ्लोरिनेटेड गैसों के इस्तेमाल को धीरे–धीरे बंदर करने की शुरुआत की जा चुकी है। इन गैसों को हाइड्रोफ्लोरोकार्बंस, परफ्लोरोकार्बंस, सल्फर हेक्साफ्लोराइड और नाइट्रोजन ट्राइफ्लोराइड 'एफ गैसों' में ही आती हैं। बता दें कि एफ गैसें एल्युमिनियम प्रोसेसिंग के समय भारी मात्रा में बनती हैं। इनका इस्तेमाल एयरकंडीशनर, रेफ्रिजेरटर, हीट पंप, एयरोसोल्स और प्रेशर स्प्रे में किया जाता है। एफ गैसें अन्य ग्रीनहाउस गैसों के मुकाबले ज्यादा तापमान सोखती हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, एफ गैसें हमारे वायुमंडल में करीब 50,000 साल तक बनी रह सकती हैं। एफ गैसों को लेकर आमतौर पर ज्यादा चर्चा नहीं होती है। हालांकि, जलवायु पर इनका काफी बुरा असर पड़ता है। रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर में क्लोरो–फ्लोरो कार्बन या सीएफसी का इस्तेमाल किया जाता है। ये गैस ओजोन परत को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती है। सीएफसी से निकलने वाली क्लोरीन गैस ओजोन के तीन ऑक्सीजन परमाणुओं में से एक के साथ रिएक्शन करती है। बता दें कि क्लोरीन का एक परमाणु ओजोन के 1,00,000 अणुओं को खत?म करता है। नतीजतन ओजोन परत लगातार पतली होती रहती है। धरती से 30 मील ऊपर तक का क्षेत्र हमारा वायुमंडल होता है। ओजोन लेयर की खोज 1913 में फ्रेंच वैज्ञानिक फैबरी चार्ल्स और हेनरी बुसोन ने की थी। ब्रिटेन के मौसम विज्ञानी जीएमबी डोबसन ने नीले रंग की गैस से बनी ओजोन परत के गुणों का विस्तार से अध्ययन किया। डोबसन ने 1928 से 1958 के बीच दुनियाभर में ओजोन परत के निगरानी केंद्रों का नेटवर्क स्थापित किया। ओजोन की मात्रा मापने की इकाई डोबसन को जीएमबी डोबसन के सम्मान में ही शुरू किया था।वैज्ञानिकों का कहना है कि ओजोन परत को होने वाले नुकसान के कारण पराबैंगनी किरणों के सीधे धरती पर पहुंचने से समुद्री जीवों को भी खतरा पैदा हो जाएगा। नासा के मुताबिक, ओजोन परत में उत्तरी अमेरिका के आकार से भी बड़ा छेद हो गया है, जो काफी चिंताजनक है। ओजोन परत में पहला छेद कंटार्कटिका के ठीक ऊपर बना है। इसलिए क्षेत्र के ग्लेशियर्स के पिघलने की रफ्तार बढ़ गई है। इससे कई समुद्र तटीय इलाकों के डूबने का खतरा भी बढ़ रहा है। कई शोध रिपोर्ट में बताया गया है कि ओजोन परत के नुकसान से कैंसर, मलेरिया, मोतियाबिंद और स्किन कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी होगी। वहीं, समुद्र तटों के नजदीक रहने वाली आबादी को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना होगा। ओजोन परत को धरती की छतरी और पर्यावरण का सुरक्षा कवच भी कहा जाता है। अगर ओजोन परत बहुत ज्यादा पतली हो जाती है तो धरती पर जीवन काफी मुश्किल हो जाएगा।

डॉक्ट्रेट उपाधि मिलने पर भावुक हुई तंजानिया की राष्ट्रपति, कहा- हमारे लिए गर्व की बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। तंजानिया की पहली महिला राष्ट्रपति हसन ने एक अफ्रीकी गांव में एक साधारण परिवार में पैदा होने से लेकर अपने देश की राष्ट्रपति बनने तक की अपनी यात्रा को साझा किया। दुनिया कहती है कि भारत से प्यार करने में कोई बीच का रास्ता नहीं है, चाहे वह भारतीय गीत हो, भारतीय फिल्म हो, या भारतीय व्यंजन हो, भारतीय आकर्षण का विरोध करना बहुत मुश्किल है। मैंने इसका अनुभव तब किया जब मैं 1998 में हैदराबाद में अध्ययन करने के लिए पहली बार भारत आई थी। उन्होंने कहा कि मैं यहां जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के एक परिवार के सदस्य के रूप में खड़ी हूं, न कि एक अतिथि के रूप में। यही वह चीज है जो भारत को अप्रतिरोध्य बनाती है। यही वह चीज है जो भारत को अविश्वसनीय भारत बनाती है।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भाग लिया। हमारे दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध हमेशा एक मजबूत स्तंभ रहे हैं। तंजानिया के साथ हमारे व्यापार संबंध कई शताब्दियों पहले के हैं, जब भारत के पश्चिमी तट के व्यापारियों ने पहली बार व्यापार और वाणिज्य के लिए समुद्री मार्ग के साथ पूर्वी अफ्रीका की यात्रा की थी। वैश्विक व्यवधान के बावजूद जयशंकर ने कहा, और (कोविड-19) महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के कारण, हमारे द्विपक्षीय व्यापार में दोनों तरफ से मजबूत वृद्धि देखी गई है।

शिक्षा मंत्री प्रधान ने कहा कि भारत नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू कर रहा है, जिसकी नींव पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही के स्तंभों पर बनी है।

उन्होंने कहा कि तंजानिया, भारत का एक प्रमुख अफ्रीकी भागीदार है और हम आपके समर्थन पर भरोसा करते हैं... हमें उच्च शिक्षा प्रणाली में और अधिक सहयोग करने की जरूरत है। तंजानिया के राष्ट्रपति ने हैदराबाद में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान में भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण प्राप्त किया। ढ्ढञ्जश्वष्ट विदेश मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित एक क्षमता-निर्माण कार्यक्रम है जिसके तहत अधिकारियों और नागरिकों को रक्षा क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त होता है।

भारत से टेंशन का रोना रो रहे जस्टिन ट्रूडो, जॉर्डन के राजा से की फोन पर बात

ओटावा। कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने जॉर्डन के राजा अब्दुल्लाह (द्वितीय) बिन–अल–हुसैन भारत के साथ विवाद पर चर्चा की है। इसके एक दिन पहले की पीएम ट्रूडो ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ भी फोन पर बातचीत कर भारत से तल्खी पर अपनी बात रखी थी। कनाडा सरकार के मुताबिक पीएम ट्रूडो ने जॉर्डन किंग से बातचीत के दौरान भारत–कनाडा विवाद पर पूरा अपडेट देकर कहा कि कानून के शासन को बनाए रखना विएना कन्वेंशन का सम्मान करना सभी के लिए महत्वपूर्ण है। जॉर्डन के राजा से बातचीत के दौरान ट्रूडो ने इजरायल पर हमास के हमले की भी निंदा की। इस लड़ाई में कनाडा, इजरायल के साथ खड़ा है। कनाडा सरकार पूरे मामले पर नजर रख रही है और अपने अंतरर राष्ट्रीय सहयोगियों के साथ लगातार संपर्क में है। बता दें कि यूएई के राष्ट्रपति से बातचीत में भी ट्रूडो ने लगभग यही बातचीत की थी। ट्रूडो लगातार कानून का सम्मान करने वाला राग अलापते रहे हैं। पिछले हफ्ते ही ट्रूडो की ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से फोन पर हुई बातचीत हुई थी। तब भी उन्होंने नई दिल्ली और ओटावा के बीच तनाव कम करने तथा कानून के शासन का सम्मान करने पर जोर दिया था।

खालिस्तानी आतंकी पन्नून का नया वीडियो आया सामने, भारत को दी हमास जैसे हमले की धमकी

लंदन (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नून का एक नया वीडियो ऑनलाइन सामने आया है, जिसमें वह प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध से सीखने की धमकी देता है, ताकि भारत में भी इसी तरह की प्रतिक्रिया न हो। अमेरिका स्थित प्रतिबंधित सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) संगठन के प्रमुख पन्नून ने कहा कि पंजाब से फिलिस्तीन तक अवैध कब्जे वाले लोग प्रतिक्रिया देंगे। और हिंसा से हिंसा पैदा होती है। पन्नून ने आगे कहा कि अगर भारत ने पंजाब पर कब्जा जारी रखा तो प्रतिक्रिया होगी और भारत और पीएम मोदी इसके लिए जिम्मेदार होंगे।

उन्होंने कहा कि एसएफजे मतपत्र और वोट में विश्वास करता है और दावा किया कि पंजाब की मुक्ति निश्चित है। पन्नून कैमरे की ओर इशारा करते हुए वीडियो में कहते हैं, भारत, चुनाव आपका है। पन्नून का नवीनतम संदेश अहमदाबाद, गुजरात में निर्धारित भारत-पाकिस्तान आईसीसी विश्व कप 2023 मैच से पहले धमकी जारी करने और दुश्मनी को बढ़ावा देने के आरोप में उनके खिलाफ प्रथम

सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज किए जाने के कुछ ही दिनों बाद आया है। समाचार एजेंसी एएनआई ने अहमदाबाद के साइबर क्राइम डीसीपी अजीत राजियन के हवाले से बताया कि धमकी देने वाले उनके पहले से रिकॉर्ड किए गए संदेश कई सोशल मीडिया हैंडल पर भेजे गए थे।

संदेश में यह भी कहा गया कि एसएफजे कनाडा में आतंकवादी हरदीप सिंह निजर की हत्या का बदला लेगा। अमृतसर में जन्मे पन्नून 2019 से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के स्कैनर पर हैं, जब जांच एजेंसी ने खालिस्तानी आतंकवादी के खिलाफ अपना पहला मामला दर्ज किया था। उन पर आतंकवादी कृत्यों और गतिविधियों की वकालत करने और उन्हें संचालित करने में प्राथमिक भूमिका निभाने और अपनी धमकियों और डराने-धमकाने की रणनीतियों के माध्यम से पंजाब और भारत के अन्य हिस्सों में भय और आतंक फैलाने का आरोप लगाया गया है।

जोहानिसबर्ग के टॉलस्टॉय फार्म में महात्मा गांधी की आठ फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण

जोहानिसबर्ग, (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के टॉलस्टॉय फार्म में महात्मा गांधी की आठ फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया गया है। गांधी ने 20वीं सदी की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका में यहां एक वकील के तौर पर काम करने के दौरान इस आश्रम की स्थापना की थी। भारत के उच्चायुक्त प्रभात कुमार ने रविवार को इस आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया। कुमार ने प्रतिमा का अनावरण करने के दौरान कहा, 'यह प्रतिमा संभवत~ महात्मा गांधी की तब की झलक दिखाती है जब वह दक्षिण अफ्रीका छोड़कर गए थे। हमने 1914 की महात्मा गांधी की तस्वीरें देखी हैं और यहां वह कहीं ज्यादा बड़े लग रहे हैं। मुझे लगता है कि यह टॉलस्टॉय फार्म पर उन्हें एक भव्य श्रद्धांजलि है जहां वह पांच या छह साल रहे थे। 1910 से 1914 तक वह कई बार यहां रहे।' कुमार ने याद किया कि गांधी के मित्र हर्मन कैलेनबाच ने एक आत्मनिर्भर आश्रम बनाने के लिए यह खेत दान कर दिया था। उन्होंने कहा, 'ऐसा इसलिए किया गया था क्योंकि यहां हमारे समुदाय के लोग भेदभावपूर्ण और अन्य कानून के खिलाफ संघर्ष कर रहे थे।' कुमार ने कहा, 'उन्हें अपने परिवारों को भी साथ लाना पड़ा था। परिवार के लालन-पालन के लिए कालेनबाच ने यह खेत खरीदा और इसे महात्मा गांधी को दान कर दिया।' उन्होंने याद किया कि कैसे इन परिवारों ने टॉलस्टॉय फार्म में फल और सब्जियां उगायी। साल 1990 तक टॉलस्टॉय फार्म को पूरी तरह तोड़ दिया गया और अंतिम किरायेदार के जाने के बाद इसे खाली छोड़ दिया गया।

भारत-इटली के बीच रक्षा सहयोग होगा और गहरा, समझौते पर हुए हस्ताक्षर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इटली ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की देश की आधिकारिक यात्रा के दौरान रक्षा सहयोग पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह समझौता सुरक्षा और रक्षा नीति, अनुसंधान और विकास, सैन्य क्षेत्र में शिक्षा, समुद्री डोमेन जागरूकता, रक्षा जानकारी साझा करने और सह-विकास, सह-उत्पादन और संयुक्त उद्यमों की स्थापना सहित औद्योगिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देगा।

सिंह द्वारा अपने इतालवी समकक्ष गुइडो क्रोसेटो के साथ रक्षा सहयोग के कई मुद्दों पर बातचीत के बाद यह समझौता संपन्न हुआ। बयान में कहा गया है कि रक्षा औद्योगिक सहयोग में अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। बातचीत के दौरान सिंह ने भारतीय स्टार्ट-अप और इतालवी रक्षा कंपनियों के बीच बातचीत को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। मार्च 2023 में इटली के

प्रधान मंत्री जियोर्जिया मेलोनी की भारत यात्रा के दौरान भारत और इटली के बीच संबंध रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ गए थे। अपनी यात्रा के दूसरे चरण में सिंह इस सप्ताह पेरिस में अपने फ्रांसीसी समकक्ष सेबेस्टियन लेकोर्नू के साथ 5वीं वार्षिक रक्षा वार्ता करेंगे। फ्रांस की यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत उस देश से समुद्री लड़ाकू जेट सहित कुछ प्रमुख सैन्य अधिग्रहण कर रहा है। पेरिस में रक्षा सहयोग के रोडमैप की घोषणा होने की संभावना है। भारत और फ्रांस ने हाल ही में अपनी रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया।

इजराइल ने मांगी अमेरिका से मदद, घातक गोला-बारूद की पहुंचाई खेप

–सैन्य रशद को तत्काल किया रवाना, अन्य आतंकी समर्थकों को रोकने का प्लान

वाशिंगटन (एजेंसी)। हमास के आतंकी हमलों के बाद इजराइल ने अमेरिका से मदद मांगी है। बदले में अमेरिका ने भी तत्काल घातक एयरक्राफ्ट कैरियर में गोला-बारूद लादकर रवाना कर दिया है। अमेरिका का यह कदम इजराइल के लिए इसलिए भी उठाया जा रहा है ताकि अन्य आतंकी समर्थक देशों के हमलों को रोका जा सके। बता दें कि इजराइल और हमास आतंकियों के बीच भीषण जंग छिड़ी हुई है। दोनों ओर से हमले जारी हैं। इस जंग की शुरुआत हमास के आतंकियों ने की थी जिसके बाद इजरायल ने जबरदस्त पलटवार किया। मिली जानकारी के अनुसार इजरायल ने हमास आतंकियों के कई ठिकानों को तबाह कर दिया। इस बीच इजराइल ने अमेरिका से भी हथियारों की मदद मांगी है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने कहा है कि वह इजराइल को घातक गोला बारूद भेज रहा है। इस दौरान अमेरिका का सबसे घातक एयरक्राफ्ट कैरियर भी इजराइल के पास पहुंच रहा है। जानकारी के

मुताबिक बाइडेन प्रशासन अमेरिकी सैन्य भंडार से लगभग 100 मिलियन डॉलर मूल्य का गोला-बारूद इजराइल को हस्तांतरित करने पर विचार कर रहा है। ईरान, हिज्बुल्ला और सीरिया के हमले के खतरे के बीच अमेरिका ने महाविनाशक युद्धपोत यूएसएस गेरार्ल्ड फोर्ड और 5 गाइडेड मिसाइल क्रूजर तथा डेस्ट्रॉयर भेजे हैं।

बताया जा रहा है कि ये सभी अभी भूमध्यसागर में हैं। अब इन्हें इजराइल के पास भेजा जा रहा है। यही नहीं अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा है कि अमेरिका अपने घातक फाइटर जेट और हमलावर विमानों को इस इलाके में बढ़ा रहा है ताकि क्षेत्रीय प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ावा दिया जा सके। उनके मुताबिक, यह बताता है कि अमेरिका, इजराइल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। इससे पहले जो बाइडेन और इजराइल के पीएम नेतन्याहू के बीच रविवार को बातचीत हुई थी और सैन्य रशद को तत्काल रवाना कर दिया गया था। इजराइल अपने आयरन डोम सिस्टम के लिए अमेरिका से मिसाइलें मांग रहा है। इसके अलावा गोला बारूद भी इजरायल ने अमेरिका से मांगे हैं।

अमेरिका ने कहा है कि सेना की तैनाती का उद्देश्य ईरान, सीरिया और अन्य देशों या आतंकी गुटों को इस भीषण संघर्ष में शामिल होने से रोकना है। इसके अलावा अमेरिकी नागरिकों की रक्षा के लिए पर्याप्त युद्धपोत मुहैया कराना है। गौरतलब है कि फलस्तीनी आतंकी समूह हमास द्वारा इजराइल पर किए रॉकेट हमलों में सैंकड़ों लोगों की मौत हो गई है। मौत का आंकड़ा 1100 के पार पहुंच गया है। इस बीच इजराइल ने आधिकारिक रूप से युद्ध की घोषणा कर दी है। इजराइल ने जवाबी कार्रवाई में हमास के 400 से ज्यादा आतंकी ढेर कर दिए हैं। इजराइल ने ऑपरेशन आयरन स्वॉर्ड्स की घोषणा के साथ जवाबी कार्रवाई की है।

अमेरिका, नेपाल, थाइलैंड और जर्मनी सहित कई देशों के नागरिकों की हत्या

तेलअवीव(एजेंसी)। इजराइल के दक्षिण में हमास के हमले में कई देशों के नागरिकों के मारे जाने की खबरें आ रही हैं। जिसमें अमेरिका, नेपाल, थाइलैंड और जर्मनी के नागरिकों की मौत हुई है।अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने बताया कि हमास द्वारा सप्ताहांत में इजराइल पर किए गए हमले में नौ अमेरिकी नागरिकों की मौत हुई है। इससे पहले हमले में चार अमेरिकी नागरिकों के मारे जाने की सूचना थी। मंत्रालय ने कहा कि कई अमेरिकी नागरिक लापता हैं। प्रवक्ता ने कहा कि विदेश मंत्रालय पीड़ित परिवारों के संपर्क में है और उन्हें दूतावास की तरफ से उचित सहायता प्रदान की जा रही है। रविवार को एक अधिकारी ने कहा था कि इजराइल में मारे गए अमेरिकी नागरिकों की संख्या छह से 12 के बीच हो सकती है। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि लापता लोगों को बंधक बना लिया गया, उनकी हत्या कर दी गई या वे कहीं छिपे हुए हैं। देश की सरकार ने अधिक विवरण दिए बिना कहा कि उसके दो नागरिक लापता हैं। इसके राष्ट्रीय मीडिया में खबरें हैं कि एक जोड़े की हत्या कर दी गई है। विदेश मंत्री एलिसिया बार्सेना ने सोशल मीडिया पर लिखा कि दो मेक्सिकन लोगों को बंधक बना लिया गया है, लेकिन उन्होंने अधिक जानकारी नहीं दी। 22 वर्षीय आयरिश-इज़राइली महिला किम दांती का पता नहीं चल पाया है। देश के राष्ट्रीय प्रसारक आरटीई की रिपोर्ट है कि उन्हें आखिरी बार संगीत समारोह में देखा गया था। इजराइल में तंजानिया का दूतावास दो तंजानिया छात्रों का पता लगाने की कोशिश कर रहा है जो बिजनेस स्टडीज इंटर्नशिप पर थे। राजदूत एलेक्स कलुआ ने कहा कि उनका मिशन देश भर में लगभग 350 तंजानियावासियों के संपर्क में है जिनमें से अधिकांश छात्र हैं।

फ्रांसीसी सरकार ने रविवार को कहा कि एक फ्रांसीसी महिला की मौत हो गई और कई अन्य लापता हैं। विदेशों में फ्रांसीसी नागरिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक सांसद मेयर हबीब ने सोमवार को कहा कि कम से कम आठ फ्रांसीसी लोग मारे गए, पकड़े गए या लापता हैं। उन्होंने कहा कि बंधकों में बोर्डो का एक 26 वर्षीय व्यक्ति भी शामिल हो सकता है जो दक्षिणी इजराइल में सुपरनोवा उत्सव में गया था।

कनाडा सरकार की एजेंसी ग्लोबल अफेयर्स कनाडा ने कहा है कि उसे एक कनाडाई के मारे जाने और दो अन्य के लापता होने की खबरों की जानकारी है। सीटीवी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटिश कोलंबिया के बेन मिजराची उनमें से एक हैं। वहीं प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करने के लिए इजराइली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की है। कनाडा के अलावा 10 से अधिक ब्रिटिश नागरिकों के हमास के हमले में मारे जाने या लापता होने की आशंका है। इजरायली सेना में सेवारत एक ब्रिटिश व्यक्ति नथनेल यंग की हत्या की पुष्टि की गई है। इसके अलावा दो अन्य ब्रिटिश नागरिक जेक मार्लो और डैन डार्लिंगटन के लापता होने की पुष्टि की गई है। इजराइल में हमास के हमले में बारह थायस नागरिकों के मारे जाने और 11 के अपहरण की खबर है। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने कहा कि शनिवार से हुई हिंसा में अन्य आठ थाई नागरिक घायल हो गए हैं। इसने कहा कि वायुसेना के विमान अपने नागरिकों को घर पहुंचाने के लिए तैयार हैं। इजराइल में लगभग 30,000 थाई लोग कृषि कार्य में कार्यरत हैं, जिनमें से कई गाजा सीमा के पास हैं। नेपाल ने कहा कि उसके 10 नागरिक मारे गए हैं। देश ने रविवार को पुष्टि की कि ये वे छात्र थे जो एक कृषि फर्म में काम करने और कौशल हासिल करने के लिए इज़राइल गए थे।

जर्मन विदेश मंत्रालय के सूत्र के हवाले से एक रिपोर्ट में पीड़ितों की संख्या बताए बिना कहा गया है कि आतंकवादियों द्वारा अपहरण किए गए लोगों में कई जर्मन नागरिक भी शामिल हैं, जो इजरायली नागरिक भी हैं। सूत्र ने 22 वर्षीय जर्मन-इजरायली महिला शनि लौक के मामले पर भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जिसकी मां ने उसे ऑनलाइन प्रसारित एक वीडियो में पहचाना था। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि वह जीवित है या नहीं। देश के प्रधानमंत्री हुन मैनेट ने एक छात्र के मारे जाने की पुष्टि की है।

चीन में इजरायली दूतावास के अनुसार, बीजिंग में जन्मी चीनी इजरायली महिला, जिसका नाम नोआ अर्गामानी है, सुपरनोवा उत्सव से ली गई लोगों में से एक है। दूतावास ने अपहरण का दावा करते हुए एक वीडियो प्रकाशित किया है। देश के विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि संगीत समारोह में भाग लेने के बाद तीन ब्राजीलियाई-इजरायली नागरिक लापता हैं और चौथे का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। हमास के इजराइल पर किए गए हमले में 1 रूसी नागरिक के मारे जाने की खबर है। इस हमले में दो नागरिकों की मौत की खबर है।

संपादकीय

पांच राज्यों में बिगुल

मध्य प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही देश एक लंबे चुनावी-मौसम में प्रवेश कर गया है, क्योंकि ये पांचों सूबे पूरब, पश्चिम, दक्षिण व मध्य भारत में स्थित हैं और इनकी सारी रणनीतियां उत्तर भारत स्थित दिल्ली से तय हो रही हैं। 3 दिसंबर को इन राज्यों के चुनाव नतीजे आने के बाद वहां नई सरकारों के गठन और उनके सत्ता-ग्रहण की खुमारी के बीच ही आम चुनाव का बिगुल बज जाएगा, यानी आगामी जून तक देश राजनीतिक गहमागहमी के हवाले हो चुका है। निस्संदेह, एक लोकतांत्रिक देश और समाज के लिए चुनाव सबसे अहम मौका होता है, मगर भारत में चुनावी प्रक्रिया को लेकर जिस तरह की उलझनें पेश आने लगी हैं, उनको देखते हुए जरूरी हो गया है कि राजनीतिक पार्टियां और चुनाव आयोग मिलकर सर्वमान्य हल निकालें। आचार संहिता की शुचिता की रक्षा चुनावों की निष्पक्षता के लिए बेहद जरूरी है, तो वहीं विकास कार्यों की रफ्तार के साथ भी किसी किस्म का समझौता नहीं किया जा सकता। तब तो और, जब हम एक निर्धारित लक्ष्य के साथ दुनिया के देशों से प्रतिस्पर्द्धा में हों! वैसे, पिछले सात दशक के चुनावी सफर में भारतीय मतदाता अपने लोकतांत्रिक अधिकारों को बरतना बखूबी सीख चुका है और उसके अब तक के जनादेश उसकी परिपक्वता की मुनादी करते हैं। बहरहाल, पांच राज्यों के ये विधानसभा चुनाव इसलिए भी अहम हैं कि इनको अगले आम चुनाव की पूर्वपीठिका के तौर पर देखा जा रहा है। इन प्रदेशों से लोकसभा में 83 और राज्यसभा में 34 सदस्य चुनकर आते हैं। ऐसे में, कोई भी राजनीतिक खेमा इन चुनावों को हल्के में नहीं ले सकता। खासकर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में जहां कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने हैं, तो वहीं तेलंगाना और मिजोरम में बहुकोणीय मुकाबले होने वाले हैं। ऐसे कई उदाहरण हैं, जब मतदाताओं ने दो विपरीत वैचारिक ध्रुवों पर बैठे राजनीतिक दलों या गठबंधनों को राज्य व केंद्र की सत्ता की चाबी सौंपी। इसलिए, कांग्रेस, भाजपा और तेलंगाना में बीआरएस का बहुत कुछ दांव पर लगा है। कांग्रेस ने जातिगत गणना का दांव चलकर लोकसभा चुनाव का एक अहम मुद्दा सामने रख दिया है। भाजपा को इसके तोड़ के मुद्दे ढूंढ़ने होंगे। भारतीय राजनीति में आधी आबादी को उनका हक देने के लिए हाल ही में संसद ने ऐतिहासिक महिला आरक्षण कानून बनाया है। चूंकि वह अभी बाध्यकारी नहीं बन पाया है, इसलिए ये विधानसभा चुनाव देश की सियासी पार्टियों को एक बड़ा मौका देते हैं कि वे महिला उम्मीदवारों के प्रति संजीदगी का परिचय दें। इस मामले में उनकी ईमानदारी को उम्मीदवारी की कसौटी पर महिला मतदाता जरूर परखेंगी। यह सुखद है कि इस बार ज्यादातर राज्यों में एक ही चरण में मतदान हो रहा है। इससे चुनाव आयोग के बढ़े आत्मविश्वास का पता चलता है। नक्सल प्रभावित छत्तीसगढ़ में दो चरणों में मतदान की आवश्यकता समझी जा सकती है। मगर आयोग को आचार संहिता के उल्लंघनों पर खास नजर रखनी होगी। इसमें कोई दोराय नहीं कि लोकतांत्रिक समाज में कोई भी संस्था आलोचनाओं से परे नहीं, मगर हम नहीं भूल सकते कि एक संस्था की साख निंदा के न्यूनतम अवसरों से ही तय होती है। इसलिए इन पांचों राज्यों में राजनीतिक दलों और मतदाताओं की ही नहीं, चुनाव आयोग की भी परीक्षा होगी।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान-पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

महिलाओं की राजनीतिक उदासीनता के निहितार्थ

डॉ. ऋतु सारस्वत

महिला आरक्षण बिल यानी 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को हाल ही में राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई। इस कानून के लागू होने पर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। लैंगिक समानता के लिए उठाया गया यह कदम स्वागतयोग्य है। राजनीतिक स्तर पर महिलाओं को समानता के उच्चतम पायदान पर खड़े करने की पहल विगत कई दशकों से की जा रही थी परंतु तमाम उलझनों और ऊहापोह के बीच इसे आने में इतना लंबा समय लग गया। खैर, देर से आए दुरुस्त आए। परंतु यक्ष प्रश्न यह है कि क्या महिलाओं का राजनीतिक पदों को प्राप्त करना सहज होगा? क्या देश की आम महिलाएं इसका लाभ ले पाएंगी या फिर राजनीतिक परिवारों की महिलाओं तक ही यह सीमित होकर रह जाएगा? क्या विधायक पति, भाई या पिता सत्ता पर अब परोक्ष रूप से काबिज होंगे? इन प्रश्नों ने अपने उत्तरों को ढूंढ़ने की कवायद आरंभ कर दी है। वर्ष 2017 में हिलेरी क्लिंटन ने अपनी किताब 'व्हाट हैपेंड' में लिखा 'यह पारंपरिक सोच नहीं है कि महिलाएं नेतृत्व करें या राजनीति के दांव पेंच में शामिल हों। यह न तो पहले सामान्य था और न ही आजज इसलिए जब भी अगर ऐसा होता है तो यह सही प्रतीत नहीं होता। लोगों ने हमेशा इस तरह की भावनाओं के आधार पर मत दिया है।' हिलेरी क्लिंटन ने समाज के उस चेहरे को उजागर किया है जहां आधुनिकता और समानता के तमाम दावों के बीच महिलाओं की राजनीति में अस्वीकार्यता है। व्यावहारिक समानता के बावजूद अप्रत्यक्ष सामाजिक-राजनीतिक ढांचे महिलाओं को राजनीति में भागीदार बनने से रोकते हैं। अंतर संसदीय संघ की ओर से कराए गए सर्वे इन 'इक्वलिटी इन पॉलिटिक्स' में पाया गया कि सामाजिक रीति-रिवाजों के अलावा आर्थिक क्षमता और राजनीतिक दलों की संरचना भी महिलाओं के लिए बाधक है। अब प्रश्न यह उठता है कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था महिलाओं को नेतृत्वशील पदों पर क्यों नहीं देखना चाहती? इसका उत्तर मुश्किल नहीं है 'राजनीति' सत्ता और शक्ति का केंद्र है। वह प्रभाव और निर्णय क्षमता की आधारभूमि है जो कि पुरुषत्व भाव की छद्म तुष्टि का आधार बनती है। सत्ता को पुरुषत्व से जोड़कर देखने की मानसिकता इतनी गहरी जड़ें जमाए हुए है कि विश्व की कोई भी सामाजिक व्यवस्था, चाहे उसका स्वरूप विकसित हो या विकासशील, महिलाओं का राजनीति में प्रवेश स्वीकार नहीं करती। और किंचित जो महिलाएं इस ओर कदम बढ़ाती हैं उन्हें रोकने के लिए 'हिंसा' को, चुनावी चक्र में विभिन्न तरीकों से लक्षित और विनाशकारी उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। एक अध्ययन के मुताबिक विश्व भर में 35500 संसदीय सीटों (156 देशों) में महिलाओं की उपस्थिति मात्र 26.1 प्रतिशत है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि 156 देशों में से 81 में राजनीतिक उच्च पदस्थ स्थानों में महिलाएं नहीं रही हैं। स्वीडन, स्पेन, नीदरलैंड और अमेरिका जैसे लिंग समानता के संबंध में अपेक्षाकृत प्रगतिशील माने जाने वाले देश भी इसमें शामिल हैं। इस सत्य को विश्व की तमाम संस्थाएं स्वीकार करती हैं कि महिलाओं की पूर्ण और प्रभावी राजनीतिक भागीदारी मानवाधिकार, समावेशी विकास और सतत विकास का मामला है। निर्णय लेने और राजनीतिक भागीदारी के सभी स्तरों पर पुरुषों के साथ समान शर्तों पर महिलाओं की सक्रिय भागीदारी समानता, शांति और लोकतंत्र की उपलब्धि और निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनके दृष्टिकोण और अनुभवों को शामिल करने के लिए आवश्यक है। रेक्यिवेक इंडेक्स 20-21' के 'सत्ता में पदों के लिए उपयुक्तता पुरुष और स्त्री के संबंध में दृष्टिकोण' अध्ययन में सम्मिलित जी 7 देशों के बीस हजार वयस्कों की, महिलाओं के राजनीति में नेतृत्व को लेकर जो विचारधाराएं हैं, वह अचंभित करती हैं। हैरान करने वाला तथ्य तो यह है कि जिस युवा पीढ़ी (18-34) को आधुनिक विचारों का पैरोकार समझा जाता है वह युवा पीढ़ी महिलाओं के राजनीति में प्रभावशील नेतृत्व को लेकर संकुचित विचारधारा रखती है और यह मानती है कि सत्ता के गलियारे महिलाओं के लिए नहीं बने हैं। इन विचारधाराओं के लिए युवाओं को भी पूर्ण रूप से दोषी नहीं ठहराया जा सकता। दरअसल संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था 'समाजीकरण' की प्रक्रिया के अनुरूप सुनिश्चित होती है। समाजीकरण वह प्रक्रिया है जहां बच्चे को उसके जन्म के पश्चात समाज की व्यवस्थाओं के अनुरूप रहना सिखाया जाता है और यह प्रक्रिया परिवार से आरंभ होकर स्कूल, रिश्तेदारों और विभिन्न संस्थाओं द्वारा सुनिश्चित होती है। 'सत्ता', 'राजनीति' यह शब्द समाजीकरण की प्रक्रिया में महिलाओं को इंगित करते ही नहीं इसीलिए वर्तमान पीढ़ी भी यह मानकर चलती है कि राजनीति महिलाओं का विषय नहीं है। इलिनॉइस के इवांस्टन में नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी की मनोवैज्ञानिक एलिस ईमल के अनुसार 'ऐसी मान्यताएं हैरान करने वाली नहीं हैं क्योंकि समाज महिलाओं की निर्णय क्षमता और आधिकारिता पर विश्वास नहीं करता है।' राजनीति के प्रथम स्तर पर महिलाओं का आरक्षण यकीनन भारत की राजनीतिक तस्वीर को बदलेगा परंतु इसमें कतई संदेह नहीं है कि आने वाले दो-तीन दशकों में समाज को महिलाओं के राजनीतिक समाजीकरण से परिचित होना होगा जो कि सहज नहीं है। यह प्रश्न उठना भी स्वाभाविक है कि अगर 1994 में 73वें और 74वें संविधान संशोधन के माध्यम से राजनीति के निचले पायदान पर महिलाओं को आरक्षण नहीं मिलता तो क्या वह अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर पाती? दरअसल, वैधानिक तथा राजनीतिक स्तर पर जब भी बड़े बदलाव किए जाते हैं तो सामाजिक ढांचे में वह सहज ढल नहीं पाते। अनेक बार दबाव ही सामाजिक बदलाव की स्वीकार्यता का कारण बनता है। ठीक इसी तरह 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम को समाज को अंगीकार करने में कुछ दशकों का समय लग सकता है। महिलाओं के लिए जहां एक ओर पुरुष सत्तात्मक व्यवस्था के समक्ष खड़े होकर लड़ने की चुनौती है तो वहीं दूसरी ओर उनके भीतर आत्मबोध का अभाव है, जिसके चलते वे स्वयं को ही पीछे धकेल लेती हैं। एक अध्ययन के मुताबिक, पुरुष अवसरों को अपनी भविष्य की क्षमता के हिसाब से आंकते हैं, वहीं महिलाएं इस हिसाब से कि उन्होंने पूर्व में क्या उपलब्धियां अर्जित की हैं। इस सोच के चलते बहुत-सी महिलाएं ठहर जाती हैं या फिर नेतृत्व की भूमिका में अपने प्रयासों में देर कर देती हैं। इसके अलावा पुरुष सत्तात्मक व्यवस्था में कुछ ऐसी भी चुनौतियां हैं जिसका सामना पुरुषों की अपेक्षाकृत महिलाओं को अधिक करना पड़ता है, धन जुटाना इन्हीं में से एक है। बहुत-सी महिलाएं जो पुरुषों के बराबर धन नहीं कमाती या फिर जिनकी आय का कोई स्रोत नहीं है, उनके लिए धन जुटाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। राजनीतिक नेतृत्व प्राप्त करने के लिए राजनीतिक जागरूकता का होना आवश्यक है, इसके बगैर राजनीतिक विकास संभव नहीं। बीते दशकों में महिलाएं राजनीतिक विषयों पर गंभीर चर्चा कर रही हैं ऐसा नहीं है परंतु वे 'विकास' जैसे अहम बिंदुओं और अपने अधिकारों के प्रति पूर्णतः अनभिज्ञ भी नहीं हैं। देश के राजनीतिक परिदृश्य में महिलाओं की मौजूदगी शुरुआत से कम बेशक रही है परंतु सच है कि महिलाओं में राजनीतिक चेतना का विकास तेजी से हो रहा है। इस बात का प्रमाण हैं पिछले कुछ चुनावी आंकड़े। महिलाएं अब यह जानने का प्रयास करने लगी हैं कि उन्हें किसे चुनना है, कौन उनके हितों के प्रति सचेत है, जो नेता सीधे तौर पर उनके हितों से जुड़ा हुआ है वह उन्हें ही वोट देना चाहती हैं। विभिन्न अध्ययनों से भी यह बात सामने आई है कि महिलाएं पहले की अपेक्षा कहीं अधिक मुखर हुई हैं जो कि महिलाओं की सकारात्मक राजनीतिक यात्रा की पुष्टि करती है और सुखद भविष्य की भी। लेखिका समाजशास्त्री एवं स्तंभकार हैं।

दरअसल संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था 'समाजीकरण' की प्रक्रिया के अनुरूप सुनिश्चित होती है। समाजीकरण वह प्रक्रिया है जहां बच्चे को उसके जन्म के पश्चात समाज की व्यवस्थाओं के अनुरूप रहना सिखाया जाता है और यह प्रक्रिया परिवार से आरंभ होकर स्कूल, रिश्तेदारों और विभिन्न संस्थाओं द्वारा सुनिश्चित होती है। 'सत्ता', 'राजनीति' यह शब्द समाजीकरण की प्रक्रिया में महिलाओं को इंगित करते ही नहीं इसीलिए वर्तमान पीढ़ी भी यह मानकर चलती है कि राजनीति महिलाओं का विषय नहीं है।

विश्व मे बालिकाओं क़ो बचाना एक नैतिक कर्तव्य?

(लेखक-नरेंद्र भारती/ अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विशेष लेख 11अक्टूबर 2023)

बेशक 11 अक्टूबर क़ो अंतराष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जा रहा है द्य इस वर्ष दिवस का थीम अब हमारा समय है हमारे अधिकार हमारा भविष्य रखा गया है द्य 2012 में विश्व में पहली बार अंतराष्ट्रीय बालिका दिवस का आयोजन किया गया था उसका थीम बाल विवाह की समाप्ति रखा गया था द्यइस दिवस का उदेश्य बालिकाओं के अधिकारों का सरक्षण करना तथा उनके समक्ष आने वाली चुनौतीयों एवं कठिनाइ की पहचान करना है द्य समाज में जागरूकता लाकर बालिकाओं क़ो बालकों के समान अधिकार दिलाना है द्यआज भले ही मानव 21वीं सदी में पहुच चुका है मगर उसकी सोच में कोई बदलाव नहीं आया है।इतिहास गवाह है कि विश्व में लड़कियों ने शिक्षा, राजनीति,से लेकर हर क्षेत्र में सफलता की इबारतें लिखी हैं। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के ऐसे आयोजन केवल मात्र औपचारिकता भर रह गए हैं। केवल एक दिन पूरे विश्व में बालिकाओं की सुरक्षा के दावे किए जातें हैं संकल्प लिए जाते हैं उसके बाद 364 दिनों तक बालिकाओं से कई जघन्य अपराध किये जाते हैं। समूचे विश्व में बालिका दिवस पर भाषण प्रतियोगिताएं करवाई जाती हैं,सैमीनार लगाए जातें हैं, कवि सम्मेलन आयोजित किए जाते हैं। मगर सुधार शून्य ही रहता है।अगर सही मायनों में बालिकाओं को सुरक्षित बनाना है तो समाज के हर वर्ग को इसमें सहयोग देना होगा तभी ऐसें आयेजन सफल हो सकते हैं अन्यथा सुधार संम्भव नही हो सकता। आज पूरे विश्व में बालिकाओं की स्थिती बहुत ही दयनीय होती जा रही है। समाज में बालिकाओं पर अत्याचार हो रहे हैं उनसे दुष्कर्म किए जा रहे हैं मासूम कलियों की हत्याएं की जा रही है। विश्व में कन्या भ्रूण हत्याएं हो रही है लिंग अनुपात घटता जा रहा है। मंदिरों ,झाड़ियों में नवजात शिशु फैके जा रहे है जिनमें अधिकांश लडकियां होती है। समाज किस ओर जा रहा है वह यह क्यों नहीं सोचता कि जिसने उसे जन्म दिया वह भी एक लड़की ही थी।कन्या भ्रूण हत्या के लिए समाज जिम्मेवार है।आज विश्व में लड़कियां हर क्षेत्र में अपना नाम चमका रही है हर शिखर पर परचम लहरा पही है। विश्व में आज धरती से लेकर आकाश तक बेटियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाकर समाज को बता दिया कि हम किसी से कम नहीं है। आज बेटियां एवरेस्ट पर्वत पर पहुच रही है ,हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही है।वंश परपरा की खातिर कोख में ही कत्ल किए जा रहे है। विश्व में हर देश की सरकारों द्वारा बेटी है अनमोल जैसे कार्यक्रम चलाए जा रहे है मगर कुछ तथाकथित दकियानूसी सोच रखने वाले लोगों के कारण ऐसे कार्यक्रमों पर बटटा लग रहा है जो लड़के की चाहत में ऐसे घिनौने कार्य कर रहे हैं ऐसे लोगों को कसाई कहना चाहिए जो जानबूझ कर ऐसे रुह कंपा देनं वाले कार्यो को बेखौफ होकर अंजाम दे रहे है।समाज को ऐसें लोगो को बहिष्कृत करना चाहिए जो लड़कियों के जन्म पर मातम मनाते हैं। समाज के लोग गैर जिमेदार होते जा रहे हैं क्योकि समाज में कोई इन घटनाओं को रोकने के लिए आगे नही आ रहा है। अगर समाज जागरुक हो जाएगा तो इस पर रोक लग सकती है।आज विश्व में ऐसे मामलों में इजाफा हो रहा है। ऐसी घटनाएं सभ्य समाज का अभिशाप बनती जा रही हैं। कन्या भ्रूण हत्या एक अपराध है मगर लोग निडर होकर बच्चियों को कूड़ेदानों व सुनसान जगहो पर फैंक रहे है यह पतन की पराकाष्ठा है अगर समय रहते इन घिनौने कार्य पर रोक नहीं लगाई तो आने वाला कल बहुत ही विनाशकारी होगा।ऐसी वारदातो से समाज का अहित होता है। यह एक चिन्ता का विषय बनता जा रहा है समाज के बुद्धिजीविओं को बालिकाओं को बचाने के लिए चिंतन करना चाहिए।बेटा-बेटी के अन्तर को खत्म करना होगा। अगर हर मां-बाप यह सोच रखें की उसकी जो भी संतान होगी चाहे लड़का हो या लड़की उसका कत्ल नहीं किया जाएगा तो लिंग अनुपात में सुधार हो सकता है मगर समाज के लोगों को यह बात कौन समझायगा लोग अपनी मनमानी करते है अगर समाज के लोग सक्रिय हो जाएं जो इन लोगों पर नजर रखी जा सकती है जो लिंग जांच करवाने के बाद बेटियों का बेरहमी से कत्ल करवाते है समय पर विश्व के देशो से ऐसे समाचार आते रहतें है विश्व ऐसे क्लिनिक चलाने वाले डाक्टरों को सजा ए मौत देनी चाहिए जो ऐसें नीच काम करते हैं । ऐसे लोगों को जल्लाद कहना गलत नहीं होगा जो जानबूझर अजन्मी कन्ययओं मौत के घाट उतार रहे हैं ।चंद मुठठी भर लोग समाज का वातावरण खराब कर रहे है। समाज में गरीब लोग मेहनत मजदूरी करके अपनी बच्चियों का पालन-पोषण कर रहे है ऐसे घिनौने कार्यों को सरमाएदार लोग ही अंजाम देते है। क्योकि अमीर लोगों पर कोई उगली नही उठाता।बेटियों को कोख में ही खत्म करवाने वाले राक्षसो को सूली पर टांगना चाहिए।समाज के यही तथाकथित अमीर लोग नवरात्रों में कंजको को पूजते है मगर एक दिन पूजा करे इनके पाप नही घुल सकते क्योकि इनके पापों की सजा खुदा जरुर देगा।महिलाओं को भी इस को रोकने के लिए आगे आना होगा ऐसे लोगो को सजा दिलवानी होगी। अगर महिलाएं इसके विरुद्ध खड़ी हो जाए तो इन पर पूर्ण रुप से रोक लग सकती है।मगर वंश पंरपरा के कारण कई महिलाएं भी दोषी है।केन्द्र सरकार को इन मामलो पर संज्ञान लेना होगा। आज की बालिका कल की स्त्री है उसके बगैर समाज की कल्पना नहीं जा सकती। समाज को जागरुक करने के लिए विश्व के प्रत्येक देशों की सरकारों को संचार माध्यमों से अभियान चलाना होगा ताकि लोगों को जागृत किया जा सके ।प्रत्येक शहर व गांवों में शिविर लगाने चाहिए। अगर यह सिलसिला ऐसे ही बदस्तूर चलता रहा तो आने वाला समय इतना भंयकर हो जाएगा कि अराजकता फैल जाएगी जब चारों तरफ बालिकाओ का चीरहरण होगा।अगर समाज का हर आदमी जागरुक हो जाएगा तभी बालिकाओं को बचाया जा सकता है और तभी ऐसे विश्व बालिका दिवस सार्थक होगें। अगर अब भी लापरवाही बरती जो एक दिन पुरे विश्व से बालिकाओं का आस्तित्व मिट जाएगा फिर पछताने के सिवाए कुछ हासिल नही होगा। विश्व के देशों को इस विकराल हो रही समस्या पर लगाम लगाने के लिए सामूहिक रुप से विचार विर्मश करना होगा तभी विश्व में बालिकाओं को बचाया जा सकता है।अतः समय जागने का है।आओ हम सब एकजुट होकर बालिकाओं को बचाने का संकल्प लें। बालिकाओं को बचाना विश्व हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है।

विचार मंथन

लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल 5 राज्यों के चुनाव

(लेखक-सनत जैन)

केंद्रीय चुनाव आयोग ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है। 16 करोड़ मतदाता पांच राज्यों के चुनाव में मतदान करेंगे। इस चुनाव में लगभग 60 लाख नए मतदाता 18 वर्ष की उम्र के जुड़े हैं।यह पहली बार मतदान करेंगे। मध्य प्रदेश,छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच में सीधी टक्कर है। तेलंगाना और मिजोरम में क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस और भाजपा को अपनी ताकत दिखानी है। तेलंगाना में स्थित अभी भी अस्पष्ट बनी हुई है। पूर्वोत्तर राज्यों में भी जिस तरीके की स्थिति देखने को मिल रही है।उसमें मिजोरम के चुनाव परिणाम भी इस बार आश्चर्यजनक होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। 2018 के विधानसभा चुनाव में कर्नाटक,मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस पार्टी ने जीत हासिल की थी।इन चारों राज्यों में 2018 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को पराजय का सामना करना पड़ा था। चुनाव परिणाम के कुछ महीनो बाद कर्नाटक और मध्य प्रदेश की कांग्रेस सरकार दल बदल के कारण गिर गई थी। यहां पर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी सरकार बना ली थी। 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिला है। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस को अपनी ताकत मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में दिखानी है। कहा जा रहा है,कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस मजबूत है। मध्य प्रदेश और राजस्थान में दोनों कड़ा मुकाबला है। 2018 के चुनाव और 2023 के चुनाव में एक अंतर यह है, कि इंडिया गठबंधन और एनडीए गठबंधन की राजनीति से देश का राजनीतिक समीकरण बदला हुआ है। पिछले 5 वर्षों में कांग्रेस भी पूर्व की तुलना में काफी मजबूत हुई है। कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता इस बार भी बहुत उत्साहित, और संगठित हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी काफी दबाव में दिख रही है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान से भारतीय जनता पार्टी ने अपने केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों को भी चुनाव मैदान में उतारा है।पहले यह माना जा रहा था, कि गुजरात की तर्ज पर भारतीय जनता पार्टी नए उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारेगी। पुराने मंत्री और विधायकों की टिकट कटेगी। लेकिन भारतीय जनता पार्टी की जो सूची उम्मीदवारों की जारी हुई है। मध्य प्रदेश की चौथी सूची में सारे समीकरण बदल गए हैं। भाजपा की चौथी सूची में लगभग सभी मंत्रियों और विधायकों को टिकट देकर भाजपा ने अपनी रणनीति में परिवर्तन कर लिया है। जो इस बात का संकेत है कि भारतीय जनता पार्टी इस विधानसभा चुनाव को लेकर भारी दबाव में है। इस बार के विधानसभा चुनाव में महिला आरक्षण बिल, जातीय जनगणना, महंगाई, बेरोजगारी ,धार्मिक एवं जातीय ध्रुवीकरण का असर मतदाताओं पर स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। सत्तारूढ़ दल भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस ने इस बार मतदाताओं के लिए बहुत सारी लोक लुभावन घोषणाएं कर रखी हैं। इस चुनाव में ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर सरकारी कर्मचारियों में भारी नाराजी है। पहली बार भारतीय जनता पार्टी के अंदर नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के बीच भारी मतभेद देखने को मिल रहे हैं। अन्य दलों से आए नेताओं को पार्टी के टिकट और महत्वपूर्ण पद देने से, समर्पित कार्यकर्ता नाराज है। भारतीय जनता पार्टी छोड़कर या खुले आम मतभेद व्यक्त करने वाली स्थिति भाजपा में पहली बार देखने को मिल रही है। अभी तक कांग्रेस पार्टी मैं इस तरह की बगावत देखने को मिलती थी। आर्थिक मंदी ,महंगाई और बेरोजगारी का असर भी इस चुनाव में को प्रभावित करेगा। ऐसी स्थिति में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के जो परिणाम होंगे। वह लोकसभा चुनाव की पृष्ठभूमि को तैयार करने का कारण बनेंगे। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी ने अपने क्षेत्रीय क्षत्रपों को महत्व नहीं दिया है। उसके स्थान पर नए नेतृत्व देने की कोशिश की है। पांचो राज्यों के चुनाव इस बार प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे और भाजपा के कमल सिंबल पर लड़े जाएंगे। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के चुनाव में भाजपा को कड़े संघर्ष से गुजरना पड़ रहा है।एनडीए गठबंधन और इंडिया गठबंधन का मध्य प्रदेश के अंदर कोई विशेष प्रभाव नहीं है। यहां पर कांग्रेस भाजपा के बीच सीधी लड़ाई है। इंडिया गठबंधन के अन्य दलों के प्रत्याशी भी मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनाव में अपने प्रत्याशी खड़े करने जा रहे हैं। यदि ऐसा हुआ तो निश्चित रूप से इंडिया गठबंधन की रणनीति कमजोर होगी। वोटो के बंटवारे का लाभ निश्चित रूप से भारतीय जनता पार्टी और एनडीए को विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में मिलना तय माना जा रहा है। बहरहाल पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव लोकसभा चुनाव के लिए एक सेमीफाइनल की तरह होंगे। जो देश में मतदाताओं के रुख को पहचान कर लोकसभा चुनाव की तैयारी करने के लिए पक्ष और विपक्ष को तैयारी करने का एक मौका और देंगे।

करियर काउंसिलिंग

मार्गदर्शक की मांग ने बढ़ाये मौके

युवाओं को तरह- तरह के करियर के बीच भटकाव से बचाने के लिए आज गुरु नहीं, बल्कि करियर काउंसिलर सामने आ रहा है। छात्रों और युवाओं के लिए सही मार्गदर्शन की मांग ने देश में करियर काउंसिलर के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। इस क्षेत्र में जाने के लिए जरूरत है सही प्रशिक्षण और ज्ञान की। जिनके पास इस तरह का हुनर है वे बतौर काउंसिलर बनकर अच्छी खासी कमाई कर रहे हैं। बहुत सारे युवा इस क्षेत्र में निजी और सरकारी संस्थानों में भी अपनी सेवा प्रदान कर रहे हैं

बारहवीं की परीक्षा के बाद कोर्स चयन का मामला हो या करियर चयन का- इससे जुड़े सवाल दो माह बाद लाखों छात्रों के समक्ष आएंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि रोजगार के बाजार में आज करियर के सैकड़ों रंग निकलकर सामने आए हैं। इनमें किसी एक का चुनाव और उसके लिए सही रास्ते की पहचान एक चुनौती भरा काम है। कौन सा करियर चुना जाए, इसके लिए किस तरह की तैयारी की जरूरत है, कोर्स और काम के लिए दक्षता किस तरह की चाहिए, इसे किस तरह हासिल किया जाए- यह बताने के लिए आज स्कूल से लेकर कॉलेज और विविद्यालयों तक जगह-जगह करियर काउंसिलर की जरूरत पड़ रही है। युवाओं को तरह-तरह के करियर के बीच भटकाव से बचाने के लिए आज गुरु नहीं, बल्कि करियर काउंसिलर सामने आ रहा है। छात्रों और युवाओं के लिए सही मार्गदर्शन की मांग ने देश में करियर काउंसिलर के लिए नये अवसर पैदा किए हैं। इस क्षेत्र में जाने के लिए जरूरत है सही प्रशिक्षण और ज्ञान की। जिनके पास इस तरह का हुनर है वे बतौर काउंसिलर बनकर अच्छी खासी कमाई कर रहे हैं। बहुत सारे युवा इस क्षेत्र में निजी और सरकारी संस्थानों में भी अपनी सेवा प्रदान कर रहे हैं।

कोर्स की जरूरत

करियर काउंसिलर बनने के लिए देश के सरकारी शिक्षण संस्थानों में कोई कोर्स नहीं चल रहा है। लेकिन अब बहुत सारे निजी शिक्षण संस्थान इससे जुड़े शार्टटर्म कोर्स चला रहे हैं। दिल्ली में इंडिया करियर डेवलपमेंट एसोसिएशन यानी आईसीडीए ने अपने यहां ऐसे लोगों के लिए तीन से छह माह की अवधि का शार्ट टर्म कोर्स शुरू किया है।

करियर काउंसिलर का रोल: करियर काउंसिलर आज युवाओं और छात्रों को सिर्फ करियर ही नहीं बता रहा है बल्कि एप्टीट्यूट की परख भी करता है। किस करियर के लिए किस तरह की योग्यता और दक्षता जरूरी है इसकी जानकारी देता है। वह व्यक्तिगत तौर पर हरेक के ज्ञान, स्किल और एबिलिटी की परख या मूल्यांकन करके यह भी बताता है कि आप किस क्षेत्र में जाने के लिए 'फिट' हैं। जैसे कि मार्केटिंग या सेल्स से संबंधित नौकरी में वही सफलता पा सकता है या बेहतर कर सकता है जो बहिमरुखी स्वभाव का है। करियर काउंसिलर हर व्यक्ति का करियर पाथ यानी रास्ता तैयार करने में खासा मदद करता है। सर्विस में रहने वाला व्यक्ति अक्सर मोटिवेशन से रहित हो जाता है। वह एक ही काम को करते करते बोर हो जाता है। उसमें काम करने की लालसा या इच्छा कम हो जाती है। ऐसे लोगों का मूल्यांकन करके करियर काउंसिलर नई राह दिखाता है। उसकी इच्छा के अनुरूप दूसरा काम बताता है।

परीक्षा की तैयारी कैसे करनी है, यह काम छात्रों के एप्टीट्यूट को देखकर भी काउंसिलर बखूबी करता है। आखिरी दिनों में परीक्षा के तनावों को दूर करते हुए करियर काउंसिलर छात्र छात्राओं को सही रास्ता और सफलता पाने की रणनीति बताता है। तैयारी के गुर सिखाता है। बाजार में विविध तरह की नौकरियों में क्या चुनौतियां हैं, इसके लिए क्या तनाव हो सकते हैं, इसे दूर करने के लिए काउंसिलिंग की जरूरत पड़ती है। बच्चों में हीनभावना या अवसाद को दूर करके करियर काउंसिलर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। वह उसमें नकारात्मक सोच को हावी नहीं होने देता।

योग्यता व दक्षता : आमतौर पर इस क्षेत्र में एमए मनोविज्ञान या शिक्षा जगत से जुड़े अनुभवी लोगों को बुलाया जाता है। इस क्षेत्र में आने वाले युवाओं को छात्रों और बच्चों के मनोविज्ञान की समझ होनी चाहिए। रोजगार से जुड़ी तमाम जानकारी को अपडेट रखना जरूरी है। साइकोमेटिक में महारत की अपेक्षा की जाती है। इस क्षेत्र में आने वाले व्यक्ति को एक बेहतर वक्ता और दूसरे की बात सुनने और फिर समझाने की कला भी आनी चाहिए। किसी करियर का क्या महत्व है इससे भलीभांति परिचित होना चाहिए।

अवसर कहां-कहां: करियर काउंसिलर के लिए आज सबसे बड़ी मांग स्कूलों से आ रही है। निजी स्कूलों में छात्रों को सही करियर का चुनाव करने में मदद करने के लिए करियर काउंसिलर रखे जा रहे हैं। ये काउंसिलर छात्रों को जिंदगी का लक्ष्य तय करने में मदद करते हैं। उनकी योग्यता, क्षमता और करियर के बीच तालमेल बैठाते हैं। देश के विभिन्न विविद्यालयों में इनकी नियुक्ति हो रही है। यूजीसी ने 11वें प्लान में कॉलेजों को अलग से करियर से ल बनाने को कहा है जहां ऐसे काउंसिलर रखे जाएंगे। प्लेसमेंट सेल में करियर काउंसलर को अवसर दिया जा रहा है। बतौर करियर काउंसिलर निजी तौर पर रेडियो, टीवी और पत्र पत्रिकाओं में सर्विस मुहैया कराकर अच्छी खासी कमाई की जा सकती है। बाजार में रोजगार के अवसर बताने और परीक्षा की तैयारी कराने के लिए कई तरह की पत्रिकाएं हैं जहां ऐसे लोगों की मांग है। इंटरनेट पर चल रही वेबसाइट जैसे नौकरी डॉटकॉम आदि या शिक्षा जगत से जुडी अन्य वेबसाइट भी करियर काउंसिलर की सेवाएं ले रही हैं। करियर से जुड़ी एजेंसी या संस्थान खोलकर स्वरोजगार के तहत लाखों रुपये कमाने का मौका मिल रहा है। कॉरपोरेट जगत भी अपने यहा मानव संसाधन विभाग में अब करियर काउंसिलर रखने लगा है।

वेतन : बतौर करियर काउंसिलर स्कूलों में वेतन 30 से 35 हजार रुपये हैं। लेकिन मुख्य तौर पर यह काम निजी उद्यम के रूप में बढ़ रहा है। इसमें प्रतिष्ठित करियर काउंसिलर की कमाई प्रतिमाह लाख से दो लाख रुपये हैं।

कोर्स कराने वाले प्रमुख संस्थान-

- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विविद्यालय, दिल्ली
- दिल्ली विविद्यालय, दिल्ली
- जामिया मिलिया इस्लामिया विविद्यालय, दिल्ली

कैसे करें सैलरी निगोसिएशन

जब भी आप किसी नई कंपनी में नौकरी के लिए जाएं तो अपनी वर्तमान सैलरी को बताने में जल्दबाजी न करें। अपने पिछले परफॉ र्मेस, रेटिंग, उपलब्धियों आदि के बारे में बताएं। लेकिन सैलेरी के बारे में इस बात का ध्यान रखें कि झूठ न बोलें। नई कंपनी में वहां कार्यरत एम्प्लाई को कितनी सैलरी मिलती है और उसके अलावा कौन-कौन से इंसेटिव मिलते हैं, इसकी जानकारी होने से निगोसिएशन करने में आपको आसानी रहेगी

आज का युवा महत्वाकांक्षी है और करियर की खातिर वह ऊंची से ऊंची डिग्री प्राप्त करता है ताकि उसे हैंडसम सैलेरी मिले। लेकिन उसके चाहने मात्र से उसकी ख्वाहिश पूरी नहीं होती क्योंकि उसे मोलभाव करने की कला नहीं आती। यही कारण है कि एम्प्लायर जो भी ऑफर देता है, वह उसे स्वीकार कर लेता है। जिन युवाओं को मोलभाव करना आता है, वे चंद ही वर्षो में कहां से कहां पहुंच जाते हैं। ऐसे युवा एक कंपनी को छोड़कर दूसरी कंपनी में जाते रहते हैं। कंपनियां भी उनकी योग्यता और अनुभव को देखते हुए उन्हें ऊंचे पैकेज पर अपने यहां रख लेती हैं। ये वे युवा हैं जो अपनी शतरे पर नौकरी करते हैं यानी हर बार अधिक पैकेज की शर्त।

वैभव ने एमबीए किया है। तीन साल पहले जब वह एक कंपनी में इंटरव्यू देने गया तो कंपनी ने उसके सामने 5 लाख सालाना पैकेज का प्रस्ताव रखा। उसने इस प्रस्ताव को स्वीकार करने की बजाय अपनी तरफ से 7 लाख का प्रस्ताव कंपनी को दिया। अंत में 6 लाख के पैकेज पर मामला तय हुआ। इसके दो साल बाद उसने एक नई कंपनी में जॉब के लिए आवेदन किया। कंपनी उसे आठ लाख के पैकेज का ऑफर दे रही थी जिसे उसने ठुकरा दिया और 9 लाख का पैकेज मांगा। उसका पिछला परफॉम्रेस और रेटिंग देखकर उसकी 9 लाख सालाना सैलरी तय हो गई।

इसके विपरीत राजेन्द्र ने पांच साल पहले एमबीए करके बिना कोई मोलभाव किए मात्र एक लाख अस्सी हजार के सालाना पैकेज पर नौकरी ज्वाइन कर ली। पांच साल में वह अभी तक 2.25 लाख के सालाना पैकेज पर ही पहुंचा है।

जहां भी आप जॉब के लिए जाते हैं, एम्प्लायर आपसे आपकी अपेक्षा जानना चाहता है, कि आप कितनी सैलेरी की चाह रखते हैं। संकोचवश आप या तो बोल नहीं पाते या फिर उसी पर छोड़ देते हैं। यदि स्वयं बताते भी हैं तो इतनी कम कि सामने वाला तुरंत तैयार हो जाता है इसलिए सैलरी के बारे में पहले उसे ही बोलने दीजिए कि उसका ऑफर क्या है? हो सकता है उसका शुरुआती ऑफर आपकी अपेक्षा से बहुत कम या बहुत अधिक हो। दोनों ही स्थितियों में उस ऑफर को तुरंत स्वीकार नहीं करना चाहिए। आप निगोसिएशन करें। इससे जो भी सैलरी निर्धारित होगी वह आपके पक्ष में ही होगी।

नई कंपनी में नौकरी के लिए जाएं तो अपनी वर्तमान सैलरी को बताने में जल्दबाजी न करें। अन्यथा आपकी सैलरी उसके आसपास ही तय होगी और आप किसी बड़े लाभ से वंचित रह जाएंगे। बेहतर होगा कि सामने वाले को अपने पिछले परफॉर्मेस, रेटिंग, उपलब्धियों आदि के बारे में बताएं। जब तक वह स्वयं आगे होकर न पूछे वर्तमान में मिल रही सैलरी को न बताएं। इस बात का ध्यान रखें कि इन संबंध में झूठ न बोलें। यदि आपका सालाना पैकेज 4 लाख का है तो उसे 6 लाख का न बताएं, अन्यथा आप मुसीबत में पड़ जाएंगे।

किसी भी नई कंपनी में जॉब तलाशने से पूर्व उसके बारे में ठीक से पता लगा लेना चाहिए ताकि यह पता चले कि वहां कार्यरत एम्प्लाई को कितनी सैलरी मिलती है और उसके अलावा कौन-कौन से इंसेटिव मिलते हैं? इसकी जानकारी होने से निगोसिएशन करने में आपको आसानी रहेगी। आपको स्टैंडर्ड मार्केट सैलरी भी ज्ञात होना चाहिए। चाहे तो इसके लिए ऑनलाइन रिसर्च कर सकते हैं।

सफलता सिर्फ एक बार हासिल करने की चीज नहीं है

सफलता की विशेषताओं के बारे में जानना एवं विशेषण करना सरल है, परंतु इनको अपने व्यक्तित्व में समाहित करना एक वास्तविक चुनौती है। सफलता की विशेषताओं में सकारात्मक सोच, स्वयं पर विश्वास, साहस, लक्ष्य के प्रति समर्पण, कुशल समय प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन आदि गुण स मिलित होते हैं। इनसे एक सजग व्यक्ति भली-भांति परिचित होता है। हर व्यक्ति इन गुणों को स्वयं में उतारने एवं बनाए रखने का इच्छुक होता है। किंतु जब उसका वास्तविकता से सामना होता है, तो पता चलता है कि इनका अभ्यास करना कठिन है। ऐसा आकांक्षा एवं इच्छाशक्ति के बीच एक बड़ा अंतर होने की वजह से होता है। सफलता के कारकों की सूची काफी लंबी हो सकती है, यदि इनको विभिन्न शीर्षकों-उपर्शीषकों में रखा जाए, परंतु सरल बनाने के क्रम में उनको चार शीर्षकों के अंतर्गत रखना पसंद करता हूं। जिनको सफलता के पहिए की चार तीलियां कहा जा सकता है। ये हैं-मस्तिष्क, समय, ऊर्जा एवं मानवीय संबंध। ईश्वर द्वारा मनुष्य को प्रदान किए गए इन चार बेशकीमती उपहारों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन कर आप जीवन की किसी भी ऊंचाई तक पहुंच सकते हैं।

सफलता की शुरुआत आप के स्वयं की पहचान के साथ होती है। प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता, शांति एवं प्रसन्नता हासिल करने एवं उसका अभिवर्धन हासिल करने की असीम क्षमता के साथ ईश्वर का एक अद्वितीय सृजन होता है। स्वयं की क्षमता एवं अद्वितीयता की समझ एवं पहचान एक अद्भुत अनुभव है। मै स लुकाडो कहते हैं-आप एक दुर्घटना नहीं हो सकते। आप थोक में पैदा नहीं हुए। आप जैसे तैसे पुर्जों को जोड़कर बनाए गए उत्पाद नहीं हैं। आप सर्वशक्तिमान स्त्रष्टा द्वारा जानबूझकर नियोजित, विशिष्ट उपहार में दिए गए तथा बड़े प्यार से इस धरती पर उतारे गए हैं। हममें से हरेक व्यक्ति का इस धरती पर आने का एक उद्देश्य होता है और हर व्यक्ति में अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कुछ अद्वितीयता होती है।

सफलता की कला वास्तव में हमारे मस्तिष्क के दक्षतापूर्ण संचालन की एक कला है। यहां, यह समझना महत्वपूर्ण है कि साक्षरता एवं शिक्षा में बहुत बड़ा अंतर होता है। एक व्यक्ति बिना साक्षर हुए भी पूर्ण रूप से शिक्षित हो सकता है। अकबर महान इसका एक सर्वोज़म उदाहरण हैं। बहुत से संत महात्मा एवं धार्मिक गुरु निरक्षर थे, किंतु वे काफी ज्ञानी थे। दूसरी ओर, हमारे देश में या विश्व में कहीं भी साक्षर और उच्च डिग्री प्राप्त लोगों की संख्या काफी अधिक है, लेकिन उन लोगों की संख्या काफी कम होती है जो उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने तथा इस विश्व को कुछ अर्थपूर्ण योगदान दे जाने के लिए वास्तविक रूप से स्वयं को शिक्षित होने का दावा करते हैं। सच्चे अर्थ में शिक्षा का सीधा संबंध आत्मबोध से होता है। अकादमिक शिक्षा हमें साक्षर और सूचनाओं एवं ज्ञान से समृध्द बना सकती है, लेकिन उनका इस्तेमाल एवं अर्थवज़ा हमारी वास्तविक शिक्षा की शक्ति पर निर्भर करती है। गैलीलियो का कहना है कि आप व्यक्ति को कुछ भी नहीं सिखा सकते। आप उसे स्वयं के अंदर ढूंढ़ने में केवल सहायता कर सकते हैं। ईश्वर ने पहले से ही हमारे मस्तिष्क को शक्ति प्रदान कर रखी है, हमें सिर्फ इस बात की खोज करनी है कि हम अधिकतम लाभ के लिए उसका कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं। एक सच्चा शिक्षक वही है, जो अपने विद्यार्थी के मस्तिष्क की मौलिकता को मारे नहीं, बल्कि उसे आत्मानुभूति करने में सहायता प्रदान करे। मैं इस संबंध में गौतम बुध्द के दर्शन में काफी विश्वास करता हूं। वे कहते हैं कि किसी भी चीज पर तब तक विश्वास मत करो, जब तक कि वह तु हारे अपने विवेक एवं अपनी सहज बुध्दि को स्वीकार्य न हो, चाहे जहां से तुमने उसे पढ़ा हो, या जिसने भी कहा हो, यहां तक कि मैंने भी कहा हो।

आईएमएफ ने भारत के जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया, चीन का घटाया

नई दिल्ली।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने मजबूत मांग के कारण भारत के लिए अपना 2023-24 का जीडीपी अनुमान बढ़ाकर 6.3 प्रतिशत कर दिया है, जबकि चीन की विकास दर घटाकर 5 प्रतिशत कर दी है। आईएमएफ ने अपने वार्षिक प्रकाशन वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक में कहा, भारत में विकास दर 2023 और 2024 दोनों में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह अप्रैल-जून के दौरान उम्मीद से अधिक खपत को दर्शाता है। आईएमएफ ने जुलाई में इस वर्ष के लिए भारत के लिए अपना विकास पूर्वानुमान 20 आधार अंक बढ़ाकर 6.1 प्रतिशत कर दिया था और अब इसे दूसरी बार बढ़ाया है। इसके साथ ही दोनों बहुपक्षीय वित्तीय एजेंसियों का विकास पूर्वानुमान भारतीय रिजर्व बैंक के 6.5 प्रतिशत के अनुमान के करीब पहुंच गया है।आईएमएफ का नवीनतम विकास पूर्वानुमान 31 अगस्त को सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के लगभग एक महीने बाद आया है, जिसमें दिखाया गया है कि अप्रैल-जून में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आईएमएफ ने रियल एस्टेट क्षेत्र में गिरावट का हवाला देते हुए चीन के लिए विकास पूर्वानुमान को 2023 के लिए 20 आधार अंक घटाकर 5 प्रतिशत और 2024 के लिए 30 आधार अंक घटाकर 4.2 प्रतिशत कर दिया।

आईएमएफ ने कहा, चीन में, 2022 में महामारी से संबंधित मंदी और रियल स्टेट के संकट ने उत्पादन घाटे में लगभग 4.2 प्रतिशत का योगदान दिया है। अन्य उभरते बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में और भी कमजोर सुधार देखा गया है, विशेष रूप से कम आय वाले देश में।

रुपया बढ़त के साथ बंद

नई दिल्ली। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की बढ़त के साथ ही 83.23 पर बंद हुआ। डॉलर के मुकाबले रुपया आज 3 पैसे बढ़कर 83.23 पर खुला, वहीं गत दिवस ये 83.29 पर बंद हुआ था। वहीं गत दिवस डॉलर के मुकाबले रुपया 83.26 पर बंद हुआ था। डॉलर का शीर्ष स्तर 106.16 जबकि डॉलर इंडेक्स का निचला स्तर 105.91 पर नजर आया। वहीं इजरायल और हमास के संघर्ष के बीच दो क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों में उछाल जारी है। क्रूड का भाव 4 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 88 डॉलर के ऊपर पहुंचा है। इस बीच डब्ल्यूटीआई के दाम भी 86 के ऊपर बने हुए हैं। वहीं सोना भी 2 सप्ताह की ऊंचाई पर पहुंचा है। इसके अलावा ताइवान डॉलर 0.52 फीसदी, साउथ कोरिया 0.28 फीसदी, थाई बात में 0.21 फीसदी की बढ़त देखने को मिल रही है। वहीं फिलीपींस पेसो में 0.17 फीसदी , चाइना ऑफशोर में 0.1 फीसदी की बढ़त रही। गत दिवस बाजार 997.76 करोड़ रुपए के शेयर बेचे गये।

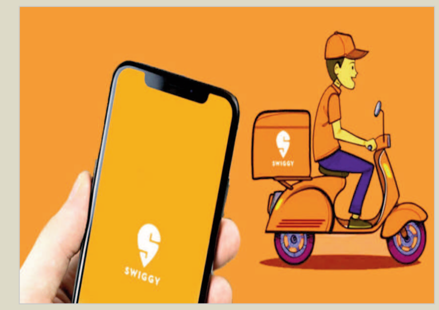

वेतन में बदलाव को लेकर मुंबई में स्विगी डिलीवरी कर्मचारी तीसरे दिन भी हड़ताल पर

नई दिल्ली। मुंबई में स्विगी डिलीवरी कर्मचारियों ने भुगतान में बदलाव के कारण तीसरे दिन भी हड़ताल जारी रखी है, जिससे शहर के कई हिस्सों में देरी और सेवाओं की अनुपलब्धता हो रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्विगी राइडर्स अपने रेट कार्ड में हालिया बदलाव और डिलीवरी रेडियस में बढ़ोतरी के कारण विरोध कर रहे हैं। स्विगी पर ऑर्डर डिलीवर करने वाले गिग (छोटे काम करने वाले) कर्मचारी हैं, जिन्हें प्रति ऑर्डर भुगतान किया जाता है और कंपनी द्वारा नियोजित नहीं किया जाता है। शुरुआती विरोध प्रदर्शन बांद्रा में राष्ट्रीय कर्मचारी सेना से जुड़े कार्यकर्ताओं द्वारा शुरू किया गया था, लेकिन अन्य समूह भी इसमें शामिल हो गए, जिसके चलते पूरे मुंबई में छिटपुट विरोध प्रदर्शन हुए, जो स्विगी के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। रिपोर्ट के अनुसार, डिलीवरी अधिकारियों का दावा है कि उनका आधार वेतन 20 रुपये पर बना हुआ है, जबकि उनकी डिलीवरी का दायरा 4 किमी से बढ़कर 6 किमी हो गया है। डिलीवरी अधिकारियों के कुल मुआवजे में मूल वेतन के साथ-साथ यात्रा व्यय और अन्य कारकों के लिए अतिरिक्त राशि भी शामिल है। विरोध प्रदर्शन के कारण शहर के कई लोगों को स्विगी ऐप पर ऑर्डर देने में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। एक यूजर ने लिखा, वसई में स्विगी इंस्टामार्ट में क्या खराबी है। यह कल सुबह से बंद है।

प्योर ईवी ने 201 किमी रेंज के साथ ईप्लूटो 7जी मैक्स किया लॉन्च

नई दिल्ल। प्योर ईवी ने नया इलेक्ट्रिक स्कूटर ईप्लूटो 7जी मैक्स लॉन्च किया है। इसमें प्रति चार्ज 201 किमी की अल्ट्रा-लॉन्ग रेंज के साथ हिलस्टार्ट असिस्ट, डाउनहिल असिस्ट, कोस्टिंग रीजेन, रिवर्स मोड, बैटरी की लंबी उम्र आदि के लिए स्मार्ट एआई जैसी सुविधाएं हैं। 1,14,999 रुपये (एक्स-शोरूम कीमत) की कीमत पर लॉन्च किया गया, यह स्कूटर चार रंगों - मैट ब्लैक, रेड, ग्रे और व्हाइट में उपलब्ध है, जो अब पूरे भारत में बुकिंग के लिए खुला है, इसकी डिलीवरी आगामी त्योहारी मौसम से शुरू होगी। कंपनी के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहित वडेरा ने कहा, यह मॉडल उन उपभोक्ताओं के लिए लक्षित है, जो प्रतिदिन लगभग 100 किलोमीटर की दूरी तय करते हैं और बार-बार चार्ज करने की परेशानी से नहीं गुजरना चाहते हैं। इसी आगामी त्योहारी सीजन में लॉन्च किया जाएगा। इसमें हमारे ग्राहकों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान की गई हैं। यह मॉडल स्मार्ट बीएमएस और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ एआईएस-156 प्रमाणित 3.5 केडब्ल्यूएच हेवी-ड्यूटी बैटरी के साथ आता है। पावरट्रेन की अधिकतम शक्ति 2.4 किलोवाट है, एक सीएएन-आधारित चार्जर है और तीन अलग-अलग ड्राइविंग मोड प्रदान किया गया है। वडेरा ने कहा, मैक्स बैटरी के चार्ज की स्थिति (एसओसी) और स्वास्थ्य की स्थिति (एसओएच) के लिए एआई-सक्षम पावर डिस्चार्ज अकाउंटिंग से लैस है, जो समग्र बैटरी जीवन चक्र को 50 प्रतिशत तक बेहतर बनाता है। मॉडल में बुद्धिमान थ्रॉटल प्रतिक्रिया भी है। सवारी के इलाके के आधार पर, ढलान के दौरान रोलबैक को रोकने और गिरावट के दौरान नियंत्रित करने के लिए स्मार्ट सेंसर है। ईप्लूटो7जी मैक्स को सात अलग-अलग माइक्रोकंट्रोलर और कई सेंसर के साथ तैनात किया गया है, जो भविष्य में किसी भी ओटीए फर्मवेयर अपडेट से गुजरने की सुविधा के साथ-साथ स्मार्टफोन की तुलना में अधिक शक्तिशाली प्रोसेसिंग प्रदान करता है। पावरट्रेन दक्षता में सुधार पर प्रकाश डालते हुए, वडेरा ने आगे कहा कि इसमें उद्योग की अग्रणी दक्षता 92 प्रतिशत से अधिक है। ब्रेकिंग दूरी, रुकने का समय, पहिया घूमने की गति प्रयास और ब्रेकिंग के मामले में काफी सुधार हुआ है।

सितंबर में एनर्जी सेक्टर के शेयरों का बेहतर प्रदर्शन

नई दिल्ली। ऑटो, बैंक, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स एफएमसीजी, हेल्थकेयर समेत सभी क्षेत्रों में सितंबर में अच्छा प्रदर्शन देखने को मिला। लेकिन एनर्जी सेक्टर के शेयरों ने सभी को पीछे छोड़ दिया और महीने के दौरान 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एमओएएमसी) की ग्लोबल मार्केट स्नैपशॉट रिपोर्ट के अनुसार, निफ्टी मिडकैप 150 ने सितंबर में 3.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ सभी प्रमुख सूचकांकों को पीछे छोड़ दिया। पिछले तीन महीनों, छह महीनों और एक वर्ष में इसमें क्रमशः 12.98 प्रतिशत, 33.37 प्रतिशत और 29.92 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी तरह, निफ्टी स्मॉलकैप 250 ने भी इसी अवधि के दौरान पिछले 3 महीने, 6 महीने और 1 साल में क्रमश: 15.99 प्रतिशत, 39.17 प्रतिशत, 32.96 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। भारतीय शेयर बाजारों ने सकारात्मक रुझान दिखाया, जो निफ्टी 50 इंडेक्स में 2 फीसदी की वृद्धि से उजागर हुआ। अमेरिकी बाजार में, एसएंडपी 500 और नासदाक 100 दोनों ने सितंबर 2023 में 5 फीसदी की गिरावट का अनुभव किया, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र एक बार फिर गिरावट में मुख्य योगदानकर्ता रहा। वैश्विक स्तर पर, उभरते और विकसित दोनों बाजारों में क्रमशः 4 प्रतिशत और 3 प्रतिशत की गिरावट के साथ नकारात्मक प्रदर्शन देखा गया। दक्षिण कोरिया में 5 प्रतिशत की सबसे बड़ी गिरावट देखी गई, जबकि जर्मनी 6 प्रतिशत की कमी के साथ विकसित बाजारों में गिरावट का नेतृत्व कर रहा है। सितंबर के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जिससे मुद्रास्फीति, राजकोषीय संतुलन और चालू खाता घाटे पर संभावित प्रभावों के बारे में चिंताएं बढ़ गईं। कीमती धातुओं में भी गिरावट का सामना करना पड़ा, सोने और चांदी की कीमतों में क्रमशः 4 प्रतिशत और 5 प्रतिशत की गिरावट आई।

शेयर बाजार उछाल के साथ बंद

सेंसेक्स 567 , निफ्टी 177 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

शेयर बाजार मंगलवार को उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली बढ़ने से आई है। आज कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी की तरह ही मिडकैप सूचकांक और स्मॉलकैप सूचकांक में भी बढ़त दर्ज की गयी। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बॉन्ड यील्ड कम होने से इक्विटी बाजारों में भी बढ़त रही। इजरायल-हमास संघर्ष से भी बाजार उबरता दिखा जिससे परिसंपत्ति वर्गों में भी तेजी आई। वहीं अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत के लिए अपने वित्त वर्ष 2024 के विकास अनुमान को 20 आधार अंक बढ़ाकर 6.3 फीसदी कर दिया, इससे भी बाजार में सकारात्मक माहौल बना। आज कच्चे तेल की कीमतों में आई कमी से भी सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में तेजी आई। इससे पहले सोमवार को इजरायल-हमास संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं थीं।

आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 566.97 अंक करीब 0.87 फीसदी बढ़कर 66,079.36 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,180.17 तक ऊपर जाने के बाद 65,662.27 तक नीचे आया। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला निफ्टी 177.50 अंक तकरीबन 0.91 फीसदी ऊपर आकर 19,689.85 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,717.80 तक ऊपर जाने के बाद 19,565.45 तक गिरा।

आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 26 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। भारती एयरटेल, कोटक बैंक, टाटा मोटर्स, जेएसडब्ल्यू स्टील और महिंद्रा एंड महिंद्रा सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयर रहे। भारती एयरटेल के शेयर सबसे अधिक 2.90 फीसदी तक ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से केवल 4 शेयर ही नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। इंडसइंड बैंक, टीसीएस, टाइटन और एशियन पेंट्स सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले पांच शेयर रहे। इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 0.51 फीसदी तक गिरे।

इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार तेजी के साथ खुले। बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के कारण लिवाली बढ़ने से आई है। वहीं गत दिवस इजराइल और आतंकी संगठन हमास के बीच जारी संघर्ष से बाजार गिरा था। सुबह कारोबार के दौरान एनएसई निफ्टी करीब 0.33 फीसदी बढ़कर 19,577.20 पर था जबकि बीएसई सेंसेक्स 0.41 फीसदी ऊपर आकर 65,771.46 पर पहुंच गया। इजराइल-हमास संघर्ष के कारण बाजार में जो चिन्ताएं थीं वह कम होने से अमेरिकी बाजार के साथ ही अन्य सभी बाजारों में सुधार आया। इस दौरान एसएंडपी 500 इंडेक्स और डाओ जोंस में 0.6 फीसदी जबकि नैस्डैक में 0.4 फीसदी बढ़त आई। वहीं एशियाई बाजारों में आज सुबह जापान का निक्केई 2 फीसदी से ज्यादा बढ़ा।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की बैठकों में वित्त मंत्री सीतारमण उठाएंगी कई महत्वपूर्ण मुद्दे

नई ।

अंतराष्ट्रीय मंचों पर भारत हमेशा ही जने हित के मुद्दे उठाता रहा है। इस बार 11 से 15 अक्टूबर तक मोरक्को के माराकेच में जी20 बैठकों के साथ-साथ विश्व बैंक समूह और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की वार्षिक बैठकें आयो जित की जा रही हैं। इसमें भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन करेंगी। इन बैठकों में शो मिल होने के लिए वित्त मंत्री आज 10 अक्टूबर को रवाना हो रहीं है।वित्तमंत्री निर्मला और आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास चौथी जी20 वित्त मंत्रियों और सेंट्रल बैंक गवर्नर्स (एफएमसीबीजी) की बैठक की सह अध्यक्षता करेंगे, जिसमें जी20 देशों, आमंत्रित देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 65 प्रतिनिधिमंडल बहुपक्षीय चर्चाओं में भाग लेंगे।

इन बैठकों में बैंकों की मजबूती और तमाम वित्तीय चुनौ तियों पर चर्चा होगी। जिसमें क्रिप्टो परिसंपत्तियों का मुद्दा भी उठाया जाएगा। बैठक के दौरान, स्वतंत्र विशेषज्ञ समूह द्वारा एमडीबी को मजबूत करने पर रिपोर्ट का खंड 2 भी जारी किया जाएगा। खंड 1 गांधीनगर, गुजरात में आयोजित तीसरे एफएमसीबीजी के दौरान जारी किया गया था। इसके अलावा गोलमेज सम्मेलन ऋण पुनर्गठन पर हुई प्रगति पर चर्चा करेगा और तरीकों का पता लगाएगा। इसका मतलब जी20 देशों के काम का समर्थन करना है।यूएसए ट्रेजरी द्वारा आयोजित एक उच्च स्तरीय कार्यक्रम में केंद्रीय वित्तमंत्री आईएमएफ नीति प्राथमिकताओं और संस्थान को अपनी सदस्यता का समर्थन कैसे करना चाहिए विषय पर एक गोलमेज चर्चा में भाग लेंगी। केंद्रीय वित्तमंत्री जी7 जापान प्रेसीडेंसी द्वारा विश्व बैंक समूह के साथ लचीला और समावेशी आपूर्ति-शृंखला संवर्धन (आरआईएसई) के लिए साझेदारी पर एक चर्चा में भी भाग लेंगे।माराकेच में आईएमएफ-डब्ल्यूबी की वार्षिक बैठक से इतर, वित्तमंत्री जी7 अफ्रीका मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन के दौरान व्यापक आर्थिक दृष्टिकोण पर चर्चा में भाग लेंगी।जर्मन संघीय आर्थिक सहयोग एवं विकास मंत्रालय और वैश्विक विकास केंद्र द्वारा सह-मेजबानी में निर्मला एमडीबी विकास विषय पर

एनएसएसओ ने दी मोदी सरकार को राहत, बेरोजगारी दर छह साल के निचले स्तर पर

नई दिल्ली ।

देश में जुलाई 2022 से जून 2023 के बीच 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की बेरोजगारी दर छह साल के निचले स्तर पर रही। सरकारी सर्वेक्षण में यह बात सामने आई। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) की ओर से जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण वार्षिक रिपोर्ट 2022-2023 के अनुसार जुलाई 2022 से जून 2023 के बीच राष्ट्रीय स्तर पर 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए सामान्य स्थिति में बेरोजगारी दर 2021-22 में 4.1 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 3.2 प्रतिशत रही। सामान्य स्थिति का मतलब है कि रोजगार, (किसी व्यक्ति की स्थिति) सर्वेक्षण की तारीख से पहले के 365 दिन के आधार पर निर्धारित किया गया है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के जारी आंकड़ों के अनुसार बेरोजगारी दर 2020-21 में 4.2 प्रतिशत, 2019-20 में 4.8 प्रतिशत, 2018-19 में 5.8 प्रतिशत और 2017-18 में छह प्रतिशत थी। समय अंतराल पर श्रम बल आंकड़े उपलब्ध होने के महत्व को ध्यान में रखकर एनएसएसओ ने अप्रैल 2017 में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) शुरुआत की थी। रिपोर्ट के अनुसार, 'ग्रामीण क्षेत्रों में 2017-18 में बेरोजगारी दर 5.3 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 2.4 प्रतिशत हो गई। शहरी क्षेत्रों के लिए यह 7.7 प्रतिशत से घटकर 5.4 प्रतिशत हो गई।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने एनएसडीएल के साथ किया समझौता

मुंबई ।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने 9 अक्टूबर को स्टॉक एक्सचेंजों को जानकारी दी है कि बैंक ने मुंबई में अपने एक परिसर को 198 करोड़ रुपये में बेचने के लिए नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के साथ समझौता किया है। समझौते के तहत बैंक मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में नमन चैंबर्स में स्थित अपने ऑफिस की बिक्री करेगा। कर्जदाता यानी बैंक ने एक्सचेंजों को दी गई जानकारी में बताया कि यह फैसला आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टॉवर (द स्क्वायर), सी-61, जी ब्लॉक,बीकेसी, मुंबई में अपने कॉरपोरेट ऑफिस के पास बैंक के ऑपरेशन के एकीकरण का हिस्सा है। बैंक ने रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि इस कार्यालय परिसर को वह एनएसडीएल को 198 करोड़ रुपये में बेच रहा है। बैंक ने बताया कि ऑफिस परिसर का नाम यानी टाइटल और इसकी ओनरशिप को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक से एनएसडीएल को ट्रांसफर किया जाएगा और इसके लिए दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से ऑफिस परिसर पर एनएसडीएल का स्वामित्व होगा। बैंक ने स्पष्ट किया कि एनएसडीएल के पास 'आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में कोई शेयर नहीं है, और डिपॉजिटरी के साथ बिक्री सौदा संबंधित पार्टी लेनदेन के अंतर्गत नहीं आता है। इसका मतलब यह है कि इस बिक्री के तहत ऐसा कुछ नहीं होगा जिससे किसी भी तरह से बैंक के किसी प्रमोटर/प्रमोटर ग्रुप/ग्रुप कंपनी के ट्रांजैक्शन पर कोई असर पड़े। यह घटनाक्रम उन रिपोर्ट के छह दिन बाद आया है जिसमें कहा गया था कि आईडीएफसी फर्स्ट बैंक एक योग्य संस्थागत प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के माध्यम से 3,000 करोड़ जुटाने की योजना बना रहा है।

गौरतलब है कि पिछले छह माह में स्टॉक ने अच्छा परफॉर्मेंस किया है और लगभग 67 प्रतिशत की बढ़त हासिल की है। गौरतलब है कि बैंक की तरफ से परिसर का यह फैसला उस समय आया है जब कुछ दिनों पहले ही यह खबर आई थी कि बैंक योग्य संस्थागत प्लेसमेंट के जरिये 3,000 करोड़ रुपये जुटाने का प्लान बना रहा है।

निजी एफएम रेडियो स्टेशनों पर विज्ञापनों की दरों में भारी वृद्धि

मोदी सरकार ने 8 साल बाद बढ़ोत्तरी की

नई दिल्ली ।

मोदी सरकार ने अपनी नीतियों और कार्यक्रमों के लिए निजी एफएम रेडियो स्टेशनों पर विज्ञापनों की दरों में भारी वृद्धि को मंजूरी दे दी। इस कदम से देशभर में स्थित 400 से अधिक रेडियो स्टेशनों को फायदा होगा। आठ साल बाद नई दरों की घोषणा की गई है। आखिरी बढ़ोतरी 2015 में की गई थी। सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि विज्ञापन दरों को अंतिम रूप देने के लिए मूल्य निर्धारण फॉर्मूला 2019 के इंडिया रीडरशिप सर्वे (आईआरएस) से शहर की आबादी और श्रोताओं के डेटा जैसे विभिन्न कारकों को ध्यान में रखता है।

मोदी सरकार द्वारा जारी बयान में कहा गया है, सितंबर, 2023 के महीने में मंत्रालय द्वारा अनुमोदित नई दरों में दिसंबर 2015 से मार्च 2023 की अवधि के लिए बढ़ती लागत की गतिशीलता को ध्यान में रखते हुए आधार दर में 43 प्रतिशत की वृद्धि शामिल है।

इस वृद्धि के साथ, एफएम रेडियो विज्ञापन के लिए सकल आधार दर 52 रुपये से बढ़कर 74 रुपये प्रति 10 सेकेंड हो जाएगी और समायोजन का उद्देश्य मौजूदा बाजार दरों के साथ समानता बनाए रखना था। बढ़ी हुई आधार दर के साथ इस फॉर्मूले के आधार पर लगभग सभी निजी एफएम रेडियो स्टेशनों को अलग-अलग प्रतिशत पर नई अनुशंसित दरों से लाभ होगा। जो मोटे तौर पर चार श्रेणियों में विभाजित पर निर्भर करता है, जो एफएम स्टेशनों और केंद्रीय संचार ब्यूरो के ग्राहकों दोनों के लिए मूल्य प्रदान करता है।

आधिकारिक बयान में कहा गया है कि इस फॉर्मूले के आधार पर 106 स्टेशनों की दरों में 100 प्रतिशत की वृद्धि होगी, जबकि 81 रेडियो स्टेशनों की विज्ञापन दरों में 50-100 प्रतिशत की वृद्धि होगी। कम से कम 65 स्टेशनों, जिनके लिए श्रोताओं का डेटा उपलब्ध नहीं था, को विज्ञापन दरों में 50 प्रतिशत से कम वृद्धि मिलेगी। उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि पिछली विज्ञापन दरें 2012 के इंडिया रीडरशिप सर्वे के आधार पर तय की गई थीं।

निजी एफएम रेडियो स्टेशनों के लिए दर संरचना समिति की स्थापना पिछले साल मंत्रालय द्वारा नई दरों का मूल्यांकन और सिफारिश करने के लिए की गई थी, जिन्हें आखिरी बार 2015 में संशोधित किया गया था।

हमास-इजराइल युद्ध से इन 14 शेयरों पर पड़ेगा सीधा असर, देखकर खरीदे

मुंबई ।

शेयर बाजार बच्चों का खेल नहीं है। यहां बड़े-बड़े लोगों का पैसा डूब जाता है। डूबने का कारण कोई एक नहीं, बल्कि अनेक हैं। कभी कोरोना जैसे वायरस का प्रकोप होता है, तब शेयर कौड़ियों के भाव पर पहुंच जाते हैं, तब कभी उन्हीं शेयरों का भाव सातवें आसमान पर होता है। शेयर बाजार में लगा पैसा दुनियाभर में होने वाली विभिन्न गतिविधियों से प्रभावित होता है। रूस और यूक्रेन के बीच लड़ाई के दौरान दुनियाभर के शेयर बाजार दबाव में नजर आए थे। फिर एक खतरनाक युद्ध दुनिया के सामने है। हमास के हमले के बाद इजराइल ने घोषणा कर दी कि वह युद्ध में है। खबर के फैलते ही भारतीय शेयर बाजार में कई शेयर प्रभावित होते दिख रहे।

बता दें कि हाल ही में अडानी पोर्ट्स ने इजराइल में एक पोर्ट लिया है। जाहिर है अडानी पोर्ट्स के शेयर को झटका लगा। इजराइल और हमास के इस युद्ध से केवल अडानी पोर्ट्स ही प्रभावित नहीं है, बल्कि लगभग 14 स्टॉक हैं, जिन पर सीधा असर देखने को मिल रहा है या मिल सकता है। अडानी पोर्ट्स के शेयर में 5 फीसदी की गिरावट देखने को मिली थी। मंगलवार को हालांकि अडानी ग्रुप सहित ज्यादातर स्टॉक्स को ऊपर की तरफ बढ़ते हुए देखा गया। इसके अलावा, सन फार्मा 2 फीसद गिरा। इजराइल की कंपनी टारो फार्मा में सन फार्मा की बड़ी हिस्सेदारी है। तेल-अवीव बेस्ड टेवा फार्मा चूंकि फार्मा सेक्टर की अगुवा कंपनी है, तब भारत की जेनरिक दवा निर्माता कंपनियां डॉ. रेड्डीज लैब और लूपिन के शेयरों पर भी असर देखा गया।

रिपोर्ट ने बताया कि माइनिंग करने वाली कंपनी एनएमडीसी, कल्याण जूलर्स और टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन का भी इजराइल कनेक्शन है। केवल यही कंपनियां नहीं, कई आईटी सेक्टर की कंपनियां भी इजराइली कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रही हैं। इसमें भारत की आईटी सेक्टर की सबसे बड़ी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), विप्रो, टेक महिंद्रा, और इंफोसिस शामिल हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और लार्सन एंड टर्बो (एलएंडटी) की भी इजराइल में उपस्थिति है।

रिपोर्ट के मुताबिक इन 14 कंपनियों के अलावा मध्य पूर्व में चल रहे अलग-अलग विवादों के चलते ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वजह यह है कि रिटेलर्स को आम चुनावों से लगभग ठीक पहले खुदरा ऑयल के बढ़ते भावों के चलते कीमतों को स्थिर रखने का दबाव झेलना पड़ सकता है।

एफआईआई की बिकवाली में आ रही है कमी

नई दिल्ली।

इजराइल-हमास हिंसा से जुड़ी अनिश्चितता जारी है और अगर इजराइल गाजा में जमीनी कार्रवाई शुरू करता है तो स्थिति और खराब हो सकती है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने ये बात कही है। उन्होंने कहा, तनाव कम होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। हमास पकड़े गए इजरायली बंधकों के साथ सौदेबाजी करेगा। आर्थिक और बाजार के रुझानों के विपरीत, भू-राजनीतिक विकास की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। यह अनिश्चितता बाजार पर असर डालेगी। आर्थिक मोर्चे पर कुछ सकारात्मक घटनाक्रम देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि डॉलर इंडेक्स में 105.95 की गिरावट और अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड 4.88 के हालिया उच्च स्तर से गिरकर 4.65 पर आना इक्विटी बाजारों के लिए सकारात्मक संदेश है। भले ही एफआईआई भारत में बिकवाली जारी रखे हुए हैं, लेकिन बिकवाली की तीव्रता कम हो रही है। ज्यादा महत्वपूर्ण बात ये है कि डीआईआई अपनी खरीदारी बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, आईटी, पूंजीगत सामान और रियल एस्टेट/निर्माण क्षेत्र के शेयरों में छोटी मात्रा में कैलिब्रेटेड खरीदारी लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एक अच्छी रणनीति होगी। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य बाजार रणनीतिकार आनंद जेम्स ने कहा कि हालांकि सोमवार को बाजार में बहुत ज्यादा गिरावट नहीं आई, लेकिन 19,600 से नीचे पर निफ्टी का बंद होना बताता है कि सेंटीमेंट मजबूत नहीं है। उन्होंने कहा, हम 19,900 पर वापस आने की उम्मीद के साथ मंगलवार सुबह 19,545 से ऊपर निरंतर व्यापार की तलाश करेंगे। नहीं तो संभावना है कि चल रही कमजोरी जारी रहेगी। मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स 364 अंक ऊपर 65,876 अंक पर है। भारती एयरटेल में 2 फीसदी से ज्यादा तेजी है।

विशेषज्ञ स्पिनर टैग पर मैक्सवेल ने कहा- 2015 में जब हमने ट्रॉफी जीती थी तब मैं नंबर-1 स्पिनर था

लखनऊ। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने विश्व कप टीम में विशेषज्ञ स्पिनर के टैग पर कहा कि जब 2015 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ने अपने घरेलू मैदान पर जीत हासिल की थी, तब वो नंबर-1 स्पिन गेंदबाज थे। 2015 संस्करण में मैक्सवेल ने छह विकेट लिए, लेकिन रविवार को चेन्नई में भारत के खिलाफ विश्व कप-2023 के शुरुआती मैच के दौरान वह एक भी विकेट नहीं ले पाए। 34 वर्षीय खिलाड़ी की गेंदबाजी में स्थिति तब मजबूत हुई जब उन्होंने राजकोट में भारत के खिलाफ तीसरे वनडे में चार महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए, खासतौर पर विराट कोहली का विकेट। मैक्सवेल ने क्रिकेट.कॉम.एयू से कहा, मुझे लगता है कि मैं 2015 में नंबर 1 स्पिनर था जब हमने ट्रॉफी जीती थी।इसलिए, मुझे नंबर 2 पर वापस भेज दिया गया है। जाहिर है, अलग-अलग परिस्थितियां, गेंद अच्छी टर्न हो रही है। मैंने किसी भी विशेष चीज़ पर काम नहीं किया है। अगले कुछ मैचों में हमारे सामने जो भी परिस्थितियां आएंगी, हम उसके लिए तैयार हैं।

विश्वकप क्रिकेट : अफगानिस्तान के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली ।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्वकप के पहले ही मैच में मिली जीत से उत्साहित भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम इस दूसरे मैच में जीत की प्रबल दावेदार है क्योंकि अफगान टीम उसके मुकाबले काफी कमजोर है। भारतीय टीम को इस मैच में भी सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के बिना ही उतरना होगा क्योंकि शुभमन डेंगू बुखार के कारण अस्पताल में भर्ती हैं। ऐसे में इस मैच में भी युवा ईशान किशान ही कप्तान रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में रोहित, ईशान और श्रेयस अय्यर रन नहीं बना पाये थे, ऐसे में अब इनका लक्ष्य बड़ी पारी खेलना रहेगा। इस मैच में रोहित की टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती नौ अलग अलग जगहों पर हालात के अनुरूप ढलने की होगी। फिरोजशाह कोटला की पिच बल्लेबाजों की सहायक है। इसलिए भारतीय टीम को यहां बड़ा स्कोर बनाना होगा। यहां दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच गत सप्ताह खेले गए एक मैच में कुल 700 से अधिक रन बने थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ईशान और श्रेयस अय्यर खराब शॉट खेलकर आउट हुए थे जिससे भारत को अच्छी शुरूआत नहीं मिल पायी थी। उन्हें इस बार अपनी गलती से सबक लेते हुए बेहतर प्रदर्शन करना होगा। अफगानिस्तान के गेंदबाजों का सामना करना भारत के लिए मुश्किल नहीं होगा क्योंकि उसके गेंदबाज सामन्य कौशल वाले हैं। इस मैदान के छोटा होने से चौके छक्के लगाना आसान रहेगा। यह मैच अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के घरेलू मैदान पर खेला जाने वाला है जिसमें वह बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। विराट ने पहले मैच में भी शानदार बल्लेबाजी कर 85 रन बनाये थे। वह अपने नाम से बने पवेलियन में खेलकर उत्साहित होंगे। वहीं पहले मैच में सबसे अधिक रन बनाने वाले के एल राहुल भी अपनी लय बनाये रखना चाहेंगे। राहुल ने पिछले महीने एशिया कप के बाद से ही अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम प्रबंधन ने आलोचना के बावजूद उन पर भरोसा बनाये रखा जिस पर वह खरे उतरे। वहीं गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत का संयोजन अब तक शानदार रहा है। भारत ने बीच के ओवरों में छह विकेट लिए। इस मैच में आर अश्विन की जगह मोहम्मद शमी को जगह मिल सकती है।

वहीं दूसरी ओर अपने पहले ही मैच में बांग्लादेश से हारने वाली अफगानिस्तान इस टीम बेहतर प्रदर्शन कर प्रशंसकों को हैरान करने का प्रयास करेगी। अफगानिस्तान के पास गेंदबाजी में राशिद खान जैसे अच्छे स्पिनर हैं जिनसे वह लाभ उठाना चाहेगी। इसके अलावा उसके बल्लेबाजो को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। अब तक सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ही फॉर्म में दिख रहे हैं।

अगले माह खेला जाएगा लीजेंड्स लीग क्रिकेट

नई दिल्ली ।

अब एक बार फिर पूर्व क्रिकेटरों को खेलते हुए देखने का अवसर आपको मिलेगा। ऐसा लीजेंड्स लीग क्रिकेट से संभव हो रहा है। ये लीग 18 नवंबर से 9 दिसंबर तक भारत में खेली जाएगी। इसके जरिये क्रिकेट प्रशसंकों को एक बार फिर रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे। इसमें दुनिया भर के दिग्गज क्रिकेटर खेलते हुए दिखेंगे। भारत में नए स्थानों पर लीजेंड्स लीग के आयोजन को लेकर प्रशंसकों में काफी उत्साह है। आयोजकों ने कहा कि लीग क्रिकेट प्रशंसकों के हित को ध्यान में रखते हुए उन स्थानों का चयन करेगी, जहां अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट ज्यादा नहीं खेला गया है जिससे खेल को बढ़ावा मिलेगा। इसमें कहा गया है कि लीग इस सत्र में और अधिक खिलाड़ियों को जोड़ेगी, जिससे यह दर्शकों के लिए अधिक प्रतिस्पर्धी और मनोरंजक हो जाएगी। दोहा में पिछले सीज़न के दौरान कुछ शीर्ष खिलाड़ी, जिन्होंने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है उन्होंने इसमें खेला था। इसमें जैसे सुरेश रैना, आरोन फिंच, हाशिम आमला, रॉस टेलर और क्रिस गेल जैसे कई दिग्गज शामिल थे। इंडिया कैपिटल्स ने सितंबर-2022 में खेला गया पहला सत्र जीता था। नए प्लेयर ड्राफ्ट पूल में टीमों की बरकरार रखने की नीति की घोषणा जल्द ही की जाएगी। लीजेंड्स लीग क्रिकेट के कमिश्नर रवि शास्त्री ने कहा, इसे आगे बढ़ाएं, विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धी क्रिकेट का हमेशा स्वागत है। खेल में और अधिक दिग्गजों के शामिल होने से मैदान पर और अधिक आनंद आने की उम्मीद है।

यूके और आयरलैंड यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप-2028 की मेजबानी करेंगे

न्योन । यूईएफए ने मंगलवार को घोषणा की कि यूनाइटेड किंगडम और आयरलैंड गणराज्य 2028 पुरुष यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप की मेजबानी करेंगे। संयुक्त बोली प्रस्तुत करने के बाद यूईएफए ने यूरो 2032 के लिए मेजबान के रूप में तुर्की और इटली की भी पुष्टि की। यूईएफए कार्यकारी समिति ने यूईएफए मुख्यालय में एक समारोह में यूईएफए यूरो 2028 और यूईएफए यूरो 2032 के लिए मेजबान संघों को नियुक्त किया है।इंग्लैंड, उत्तरी आयरलैंड, आयरलैंड गणराज्य, स्कॉटलैंड और वेल्स के फुटबॉल संघों ने यूईएफए यूरो 2028 के आयोजन के लिए एक संयुक्त बोली प्रस्तुत की। मैच दस अलग-अलग स्टेडियमों में होने वाले हैं, जिनमें ग्लासगो का हैम्पडेन पार्क और डबलिन का अवीवा स्टेडियम शामिल हैं। बेलफास्ट का केसमेंट पार्क और एवर्टन का ब्रैमली-मूर डॉक स्टेडियम इस लिस्ट में शामिल है। तुर्की ने शुरुआत में यूरो 2028 और 2032 दोनों की मेजबानी के लिए बोली लगाई थी, लेकिन बाद में 2032 के लिए इटली के साथ उनकी बोली को यूरोपीय फुटबॉल के शासी निकाय द्वारा मंजूरी मिलने के बाद वह यूरो 2028 की मेजबानी की दौड़ से हट गया।

हांगझोउ एपीजी तीरंदाजी: रिकर्व, व्हीलचेयर स्पर्धाओं में चीन पसंदीदा; कंपाउंड में भारत की निगाहें गौरव पर

नई दिल्ली।

23 से 28 अक्टूबर तक हांगझोउ 2022 एशियाई पैरा खेलों में तीरंदाजी प्रतियोगिता शुरू होने पर उच्च गुणवत्ता वाली कार्रवाई कार्ड पर होगी। हांगझोउ में फूयांग शूटिंग और तीरंदाजी रेंज में 23 देशों के 133 तीरंदाज छह दिनों तक गौरव हासिल करने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे, जिसमें 15 स्वर्ण पदक दांव पर होंगे। जबकि घरेलू तीरंदाजों से शूटिंग क्षेत्र पर राज करने की उम्मीद है, महिलाओं की व्यक्तिगत रिकर्व ङ्ख1 प्रतियोगिता में इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की ज़हरा नेमाती बनाम चीन की वू चुनियान सहित कुछ पुरानी प्रतिद्वंद्विताएं प्रदर्शित होंगी। तीन महीने पहले पिल्सेन 2023 विश्व तीरंदाजी पैरा चैंपियनशिप में, चीन सात स्वर्ण पदकों के साथ शीर्ष पर रहा और मेजबान टीम हांगझोउ में भी इस गति को जारी रखने की उम्मीद करेगी। पिल्सेन 2023 में ट्रिपल विश्व चैंपियन चुनियान के लिए, यह अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने शानदार प्रदर्शन करने का एकमात्र मौका होगा और वह घरेलू लाभ का अधिकतम लाभ उठाते हुए सुनहरा प्रदर्शन करने की उम्मीद कर रही होंगी। हालांकि चीनियों को नेमाती के साथ कड़ी मेहनत करनी होगी, जिनकी नजरें सोने पर टिकी होंगी - वह डबल पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं और यकीनन ईरान से आने वाली सबसे लोकप्रिय और सफल महिला पैरालंपियन हैं। जिन अन्य लोगों से रिकर्व स्पर्धाओं में छाप छोड़ने की उम्मीद है, वे हैं विश्व चैंपियन वू यांग और झाओ लिक्स्यू। इस बीच, मिश्रित W1 स्पर्धाओं में टोक्यो 2020 पैरालंपिक चैंपियन चेन मिन्यी और झांग तियानक्सिन को महिला युगल और पुरुष युगल W1 स्पर्धाओं में शीर्ष पर रहने का लक्ष्य रखना चाहिए जैसा कि उन्होंने पिलसेन 2023 वर्ल्ड्स में किया था। मिनयी के साथ W1 महिला चैंपियन झांग लू जुड़ेंगी, जबकि तियानक्सिन पुरुषों के W1 युगल के लिए हान गुइफेई के साथ जुड़ेंगे। कुछ नए चेहरे हैं जो पिल्सेन 2023 में कंपाउंड स्पर्धाओं में सभी को आश्चर्यचकित करने के बाद हांगझोउ 2022 में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने के लिए उत्सुक होंगे।

शीतल देवी, भारतीय महिला तीरंदाज, जिन्होंने पिलसेन 2023 वर्ल्ड्स में रजत पदक जीतकर इतिहास रचा, उनमें से एक हैं, जो हांगझोउ में सरिता और राकेश कुमार जैसे नामों के साथ अपनी छाप छोड़ने के लिए उत्सुक होंगी, जो अपने कंपाउंड ओपन मिश्रित टीम स्पर्धा मेंवर्ल्ड्स स्वर्ण पदक प्रदर्शन को दोहराने के लिए उत्सुक हैं।

सिंगापुर के नूर सियाहिदा अलीम पर भी निगाहें होंगी क्योंकि पूर्व विश्व चैंपियन प्रमुख प्रतियोगिताओं में जीत की राह पर लौटने का प्रयास कर रहे होंगे।

संक्षिप्त समाचार

अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में भी रहेंगी राहुल पर नजरें

नई दिल्ली । विश्वकप क्रिकेट के अपने दूसरे मुकाबले में भारतीय टीम का मुकाबला बुधवार को अफगानिस्तान से होगा। यह मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाना है। इस मैच में भी बल्लेबाज के एल राहुल से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। राहुल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में सबसे अधिक रन बनाये थे। राहुल सर्जरी के कारण लंबे समय तक टीम से दूर रहे थे। इसके बाद भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा। राहुल के 16 वें सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे। इसके बाद वे विश्वकप से ठीक पहले एशिया कप में ही उतरे थे। इस कारण उनको विश्वकप के लिए टीम में जगह मिलने पर भी सवाल उठे थे। वहीं विश्वकप में वह विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका में हैं। चोट के बाद वापसी करते हुए राहुल ने अब तक 7 पारियों में 101 की औसत से 402 रन बनाए हैं और उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन नाबाद 111 रन रहा है। इस दौरान उन्होंने एक शतक और तीन अर्धशतक लगाये। उनका स्ट्राइक रेट 92 का रहा है। राहुल ने चोट के बाद जब से वापसी की है, वे रन बनाने के मामले में केवल शुभमन गिल से पीछे हैं। औसत और रन के मामले में वह कप्तान रोहित शर्मा से भी आगे हैं। इस दौरान गिल ने 6 पारियों में 81 की औसत से 403 रन बनाए हैं जिसमें 2 शतक और 2 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं विराट कोहली ने 4 पारियों में 266 जबकि रोहित शर्मा ने 5 पारियों में 190 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए मैच में राहुल ने सबसे ज्यादा रन बनाये थे। राहुल को खराब प्रदर्शन के चलते टीम से भी बाहर होना पड़ा था। यहां तक कि उन्हें उपकप्तानी से भी हटा दिया गया था। इसको लेकर निराश राहुल ने कहा कि मेरी खूब आलोचना की जा रही थी। मुझे समझ में नहीं आ रहा था कि ऐसा क्यों मेरे साथ ऐसा हो रहा है। यह मेरे लिए पीड़ादायक था, क्योंकि मेरा प्रदर्शन उतना भी खराब नहीं था।

विलियमसन की शीघ्र वापसी होगी : लैथम

हैदराबाद । न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कार्यवाहक कप्तान टॉम लैथम ने एकदिवसीय विश्वकप के दूसरे मुकाबले में नीदरलैंड के खिलाफ जीत पर खुशी जतायी है। इस दौरान लैथम ने बताया कि नियमित कप्तान केन विलियमसन की भी शीघ्र वापसी होगी। लैथम की कप्तानी में टीम ने इस विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुए अब तक अपने दोनो ही मैच जीते हैं। पहले मैच में उसने गत विजेता इंग्लैंड को हराया था। वहीं कीवी टीम ने दूसरे मुकाबले में नीदरलैंड को 99 रनों से हराया। न्यूजीलैंड ने पहले खेलते हुए 323 रन बनाए थे जवाब में खेलने उतरी नीदरलैंड की टीम 223 रन ही बना पाई। दूसरी जीत के बाद लैथम ने कहा कि शीघ्र ही टीम से बाहर चल रहे खिलाड़ी उससे जुड़ जाएंगे। विलियसमन सर्जरी से उबर नहीं पाने के कारण न्यूजीलैंड की ओर से पहले दोनों मुकाबलों में खेल नहीं पाए थे। अब लैथम ने उनकी वापसी के संकेत दिये हैं। वहीं लैथम ने डच टीम के खिलाफ मैच को लेकर कहा कि आज स्पिनर बढ़िया रहे। सैंटनर और फर्गुसन का प्रदर्शन अच्छा रहा। वहीं दूसरी ओर नीदरलैंड के कप्तान स्कॉट एडवर्ड ने कहा कि हम पहले 40 ओवरों तक अच्छे थे पर अंतिम ओवरों में कीवी टीम आगे निकल गयी। साथ ही कहा कि अगर हम उन्हें 280 तक रोक लेते तो परिणाम कुछ और हो सकता था।

विश्वकप क्रिकेट के लिए भारत का वीजा नहीं मिलने से परेशान हैं पाक प्रशंसक और प्रत्रकार

इस्लामाबाद ।

विश्वकप क्रिकेट के लिए भारत का वीजा नहीं मिलने से पाकिस्तान क्रिकेट टीम के प्रशंसक और पत्रकार परेशान हैं। ये सभी 14 अक्टूबर को होने वाले विश्वकप महामुकाबले को लेकर भी उत्साहित हैं पर वीजा नहीं मिलने से वे निराश हैं। वहीं कहा जा रहा है कि पाकिस्तान को स्थित भारतीय उच्चायोग वीजा को लेकर भारत के गृह मंत्रालय के निर्देशों का इंतजार कर रहा है पर इससे प्रशंसकों में बेसब्री बढ़ते जा रही है। वीजा में देरी के कारण ही प्रशंसकों को विश्वकप मुकाबले देखने को नहीं मिल रहे। वहीं एक प्रसंशक ने कहा, 'सबसे बुरी बात यह है कि वीजा के कारण न आने वालों के लिए कोई रिफंड नीति नहीं है। उन्होंने इस बात पर निराश जताई कि मेजबान भारत के साथ खराब संबंधों का भी उन्हें नुकसान हो रहा है। इस कारण भी वीजा देने के लिए पर्याप्त दबाव भी नहीं बन रहा। वहीं कई प्रशंसक वीजा मुद्दे पर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के ढ़ील रवैये से भी नाराज हैं। वहीं पाक विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत सरकार को खेल और राजनीति को अलग- अलग रखना होगा। साथ ही कहा कि इस मामले में आईसीसी को दबाव बनाना चाहिये। अभी तक आईसीसी ने कहा कि प्रयास किये जा रहे हैं पर कोई परिणाम नजर नहीं आ रहा। इस समय पाक के 50 मान्यता

प्राप्त पत्रकारों में से केवल 15 को ही 14 अक्टूबर को भारत-पाक के बीच बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले वीजा दिया जाएगा। इस्लामाबाद स्थित एक रिपोटर्र ने कहा, 'भारतीय उच्चायोग के अधिकारी पहले काफी संवेदनशील थे पर आजकल वे हमारा फोन भी नहीं उठा रहे हैं। पीसीबी ने कहा है कि वह प्रशंसकों और पत्रकारों के लिए वीजा जारी करने पर आईसीसी को उनके दायित्वों और सदस्यों के समझौते के बारे में याद दिलाकर संबंधित अधिकारियों के साथ मामले को उठाना जारी रखे हुए है।

शुभमन विश्वकप से बाहर होंगे ?

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल का इस एकदिवसीय विश्वकप से बाहर होना तय है। इसका कारण है कि डेंगू से पीड़ित शुभमन की तबियत और खराब हो गयी है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। इसका कारण उनका प्लैटलेट्स काउंट नीचे गिरना बताया गया है। शुभमन विश्वकप की शुरुआत से पहले ही बिमार हो गये थे। इस कारण वह चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच से भी बाहर थे। उनकी जगह भारतीय टीम में बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज ईशान किशन को शामिल किया गया था। शुभमन अगर पूरे विश्वकप से बाहर होते हैं तो ये भारतीय टीम के लिए बड़ा झटका होगा क्योंकि इस साल शुरुआत से ही उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। वहीं अब भारत का अगला मैच अफगानिस्तान के खिलाफ है जिससे भी वह पहले ही बाहर हो गये हैं। इसके अलावा उनके 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने की संभावना भी तकरीबन समाप्त हो गयी है। भारतीय टीम ने चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में शानदार प्रदर्शन कर जीत हासिल की। वहीं अब भारतीय क्रिकेट टीम अफगानिस्तान के खिलाफ अपने दूसरे विश्व कप मुकाबले के लिए दिल्ली पहुंची है। भारत ने पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 विकेट से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पहले सोमवार को कहा था कि शुभमन इलाज के लिए चेन्नई में रहेंगे और अफगानिस्तान के खिलाफविश्व कप मुकाबले के लिए टीम के साथ यात्रा नहीं करेंगे। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, अफगानिस्तान 11 अक्टूबर को दिल्ली में होगा। वह चेन्नई में ही रुकेंगे और मेडिकल टीम की निगरानी में रहेंगे। शुबमन की अनुपस्थिति में भारतीय टीम के उसी अंतिम ग्यारह के साथ बने रहने की संभावना है जिसे उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप के शुरुआती मैच में खेला था। बुधवार को अरुण जेटली स्टेडियम में भारत का मुकाबला अफगानिस्तान से होगा।

ब्राजील के पूर्व कोच टिटे ने फ्लेमेंगो की कमान संभाली

रियो डी जेनेरो। ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के पूर्व कोच टिटे को दिसंबर 2024 तक चलने वाले सौदे पर फ्लेमेंगो का मैनेजर नियुक्त किया गया है। 62 वर्षीय ने अर्जेंटीना के जॉर्ज संपाओली की जगह ली है, जिन्हें पिछले महीने कोपा डो ब्रासील फाइनल में साओ पाउलो से टीम की हार के बाद बर्खास्त कर दिया गया था।क्लब की वेबसाइट पर एक बयान में कहा गया है, फ्लेमेंगो ने मुख्य टीम का नेतृत्व करने के लिए टिटे के साथ एक समझौता किया है।पिछले साल कतर में ब्राजील को फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में ले जाने के बाद से टिटे बेरोजगार हैं, जहां पेनल्टी पर क्रोएशिया ने उन्हें बाहर कर दिया था। नई भूमिका में उनके साथ उनके पूर्व सेलेकाओ सहायक क्लेबर जेवियर, माथियस बाची और सीजर संपाइओ शामिल होंगे। संपाओली और विटोर परेरा की बर्खास्तगी के बाद पूर्व कोरिंथियंस और पाल्मेरास मैनेजर इस साल अब तक फ्लेमेंगो के तीसरे मुख्य कोच होंगे।

फुटबॉलर ईडन हैज़र्ड ने 32 साल की उम्र में लिया संन्यास

ला लौविएर।

चेल्सी के पूर्व विंगर ईडन हैज़र्ड ने पिछले सीज़न के अंत में रियल मैड्रिड छोड़ने के बाद फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की। जून में मैड्रिड के साथ अनुबंध समाप्त होने के बाद ये खिलाड़ी किसी क्लब का हिस्सा नहीं था। इंस्टाग्राम पर एक इमोशनल पोस्ट के जरिए ईडन हैजर्ड ने संन्यास की घोषणा की।हैजर्ड ने लिखा, आपको खुद की बात सुननी चाहिए और कहना चाहिए कि सही समय पर रुकें। 16 साल और 700 से अधिक मैच खेलने के बाद, मैंने एक पेशेवर के रूप में अपना करियर खत्म करने का फैसला किया है। मैंने अपने सपने पूरे किए और दुनिया भर की कई मैदानों पर खेलना शानदार रहा।अपने करियर के दौरान मैं अपना साथ देने वाले प्रबंधकों, कोचों और टीम के साथियों को धन्यवाद कहना चाहता हूं। मैं आप सभी को याद करूंगा। मैं उन क्लबों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जिनके लिए मैंने खेला है- एलओएससी, चेल्सी, रियल मैड्रिड और मेरे बेल्जियम चयन के लिए आरबीएफए को धन्यवाद।मेरे परिवार, मेरे दोस्तों, मेरे सलाहकारों और उन लोगों को विशेष धन्यवाद जो अच्छे और बुरे समय में मेरे करीब रहे हैं। अंत में, मेरे प्रशंसकों को बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने इतने वर्षों तक मेरा साथ दिया। मैड्रिड में निराशाजनक चार साल के कार्यकाल के बाद हैज़र्ड काफी परेशान थे। संन्यास की घोषणा से पहले उन्होंनेप्रीमियर लीग में चेल्सी के लिए दो खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई और 352 मैचों में 110 गोल किए थे।2019 में रियल मैड्रिड में शामिल होने के बाद, हैज़र्ड ने चैंपियंस लीग, एक क्लब विश्व कप, एक यूरोपीय सुपर कप, दो ला लीगा खिताब, एक कोपा डेल रे और दो स्पेनिश सुपर कप जीते, लेकिन स्पेन में उनका समय खराब रहा। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में 76 मैचों में केवल 7 गोल किए।हैज़र्ड प्रीमियर लीग के इतिहास में थिएरी हेनरी, मैट ले

टिसियर और एरिक कैंटोना के साथ केवल चार खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने एक सीज़न में 15+ गोल किए और 15+ सहायता प्रदान की। 2008 में लक्ज़मबर्ग के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण करने के बाद, हैजर्ड ने 33 गोल किए और 126 बेल्जियम कैप हासिल किए।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबला आसान नहीं रहेगा : स्मिथ

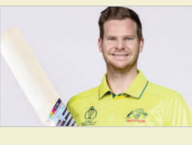

चेन्नई । ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनकी टीम का मुकाबला आसान नहीं रहेगा। स्मिथ के अनुसार दक्षिण अफ्रीकी टीम काफी अच्छी है और उसने अपने शुरुआती मैच में श्रीलंका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन कर रिकार्ड जीत दर्ज की थी। दक्षिण अफ्रीकी टीम ने इस मैच मे चार सौ से भी ज्यादा रन बनाये थे। इससे दक्षिण अफ्रीकी टीम का मनोबल बढ़ा हुआ हैं। वहीं उनकी टीम को विश्व कप के पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा। भारत के खिलाफ मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल 199 रन ही बना पायी थी। स्मिथ ने माना कि पहले ही मैच में उनके बल्लेबाज चेपॉक की पिच पर भारतीय स्पिनरों के सामने विफल रहे। एक समय दो विकेट पर 110 रन था जिसके बाद स्पिन आक्रमण ने उनकी टीम को ढ़हा दिया। स्पिनर रविंद्र जडेजा के अलावा कुलदीप यादव और आर अश्विन के सामने उन्हें खुलकर खेलने का अवसर नहीं मिला। स्मिथ ने कहा, 'उनके सभी गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। विकेट भी उनके अनुकूल था। उनके पास बेहतरीन स्पिन गेंदबाज हैं जिन्होने मिलकर हम पर दबाव बनाया। जडेजा के अलावा कुलदीप यादव ने भी दो विकेट लिए जबकि आर अश्विन को एक विकेट मिला। वहीं में भारत के लिए विराट कोहली ने 85 और केएल राहुल ने नाबाद 97 रन बनाए। स्मिथ ने कोहली और राहुल की तारीफ करते हुए कहा, 'विराट और राहुल ने बहुत संयम के साथ खेला। उन्होंने बेहतर रणनीति से खेल दिखाया। उन्होंने कहा, 'यह ऐसा विकेट नहीं था जिस पर चारों ओर चौके मारे जा सकते थे। उन्हें सिर्फ 200 रन बनाने थे और तीन विकेट जल्दी गिरने के बाद उन्होंने अच्छी साझेदारी की।

सूरत जिला महिला एवं बाल अधिकारी कार्यालय का सराहनीय प्रदर्शन: जिले में वर्ष 2022-23 में 'व्हाली दिकरी योजना' से 16,448 लड़कियों को लाभ हुआ

सूरत।

हर साल 11 अक्टूबर को चविश्व बालिका दिवसज मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने किशोर लड़कियों के अधिकारों को पहचानने और उनके सामने आने वाली गंभीर चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल 11 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने के लिए 2011 में एक प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। यह दिन लड़कियों के अधिकारों, सुरक्षा और शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए मनाया जाता है।

इस वर्ष राज्य पूर्णा योजना के तहत 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और 'सशक्त किशोरी, सुपोषित गुजरात' की थीम पर जश्न मना रहा है। राज्य सरकार द्वारा बच्चों के उत्थान, आत्मसुरक्षा, शिक्षा एवं स्वास्थ्य हेतु विभिन्न योजनाएँ क्रियान्वित हैं। राज्य में बेटियों की जन्म दर बढ़ाने और बेटी के माता-पिता की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार लाने और लड़कियों की शिक्षा छोड़ने की दर को कम करने के लिए राज्य सरकार द्वारा वली धोती योजना काम कर रही है। जिसके तहत बेटी के पहली कक्षा में शिक्षा प्राप्त करने पर राज्य सरकार 4000 रुपये, नौवीं कक्षा में प्रवेश करने पर 6000 रुपये और उच्च शिक्षा या विवाह सहायता के रूप में एक लाख रुपये की सहायता राज्य सरकार द्वारा दी जाती है। बेटी को 18 साल की उम्र में. वर्ष 2022-23 में सूरत जिला महिला एवं बाल अधिकारी द्वारा ववली दिकरी योजना के तहत 16,448 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है, और कुल 418

लड़कियों, महिलाओं और लड़कियों को आश्रय, कानूनी सहायता, चिकित्सा और पुलिस सेवाएं और परामर्श प्रदान किया गया है। सखी वन स्टॉप सेंटर है 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान ने जहां गति पकड़ी है, वहीं सूरत जिले में इस समय 1000 बेटों के मुकाबले 907 बेटियां हैं।

विश्व बालिका दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य बताते हुए सूरत जिला दहेज निषेध सह-रक्षा अधिकारी श्री धर्मेश.पी. वसावा ने कहा कि विश्व बालिका दिवस का उत्सव लड़कियों की आत्मरक्षा, अधिकारों और चुनौतियों को बढ़ावा देना है और किशोरों और महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करना। 11 अक्टूबर 2016 को, संयुक्त राष्ट्र महिला सद्भावना राजदूत एम्मा वाटसन ने दुनिया भर के देशों और परिवारों से जबरन बाल विवाह को समाप्त करने का आग्रह किया। लड़कियों को किसी भी समस्या के बारे में जागरूक और सशक्त बनाने और उसका समाधान करने का प्रयास किया जाता है। उदाहरण के लिए, किशोर लड़कियों को शिक्षित करने से बाल विवाह दर को कम करने में मदद मिलती है और उन्हें शिक्षित करने से समाज, अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने में मदद मिलती है।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि सूरत जिला स्तर पर 10 से 13 अक्टूबर तक 'शक्ति किशोरी, सुपोषित गुजरात' थीम के तहत विभिन्न क्षेत्रों में किशोरी मेले का आयोजन किया जाएगा. जिसमें विभिन्न विभागों के समन्वय से 9 स्टॉल लगाए जाएंगे और शिशु जन्म प्रोत्साहन, शिक्षा, पोषण, बाल विवाह रोकथाम, सुरक्षा एवं संरक्षा की विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूक किया जाएगा।

अक्टूबर का दूसरा बुधवार 'विश्व प्राकृतिक आपदा निवारण दिवस' है

सूरत।

अक्टूबर के दूसरे बुधवार को चविश्व प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण दिवसज के रूप में मनाया जाता है। आपदा राज्य के किसी भी भाग में घटित होने वाली एक प्राकृतिक, मानव निर्मित या संभावित घटना है जो अचल/चल संपत्तियों, मानव जीवन या पर्यावरण के विनाश का कारण बनती है। ऐसी घटनाओं/आपदाओं को पूरी तरह से रोका नहीं जा सकता है, लेकिन सतर्कता और देखभाल के माध्यम से गंभीरता या क्षति को कम किया जा सकता है। प्रत्येक प्रकार के संकट से बचने या निपटने के लिए विभिन्न प्रकार के कौशल और प्रबंधन की आवश्यकता होती है। आपदा प्रबंधन एक सतत प्रक्रिया है। जो सभी संभावित प्रकार के खतरों से बचने या उन्हें कम करने के लिए योजना और प्रयासों का आधार प्रदान करता है। बाढ़, महामारी, आग, बड़ी आपदाओं के समय मदद के लिए पूरी रणनीतिक प्रबंधन प्रक्रिया को चार क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। इन क्षेत्रों में जोखिम को कम करना, खतरे का जवाब देने के लिए संसाधन तैयार करना, खतरे से होने वाली वास्तविक क्षति का जवाब देना और आगे की क्षति को रोकना शामिल है।

सूरत जिले में वर्ष 2022 में कुल 2099 व्यक्तियों को निकाला गया और 51 व्यक्तियों को बचाया गया। जबकि 2023 में अब तक 168 लोगों का स्थानांतरण किया जा चुका है।

नर्सिंग काउंसिल के उपाध्यक्ष इकबाल कड़ीवाला के जन्मदिन के अवसर पर 121 नवजात शिशुओं को बेबी किट का वितरण

सूरत। तापी के किनारे रहने वाले सूरतियों की अलग ही धारणा है. देश की हीरा नगरी के नाम से मशहूर सूरत अब कुछ अनोखा करने में हमेशा आगे रहता है। पिछले कुछ वर्षों से, राजनीतिक नेता, सामाजिक नेता, धर्मार्थ संगठन और नागरिक अपना जन्मदिन सेवा गतिविधियों के साथ मनाते हैं, जिससे सिविल अस्पताल में भर्ती मरीजों, माताओं और बच्चों को उनके जन्मदिन को सार्थक तरीके से मनाने में मदद मिलती है। मरीजों को लड्डू दिए गए मनोरोग विभाग और स्त्री रोग विभाग में माताओं को उनके नवजात शिशुओं के लिए 121 बेबी किट वितरित किए गए।

जन्मदिन समारोह को जनसेवा से जोड़ते हुए श्री इकबाल कड़ीवाला ने बताया कि मेरे जन्मदिन 10 अक्टूबर को जो दिन आता है, वह चविश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' है। यदि रोगी मानसिक रूप से स्वस्थ है तो वह रोग से शीघ्र छुटकारा पा सकता है। अस्पताल में डॉक्टरों और नर्सिंग बहनों को मरीजों को पारिवारिक गर्मजोशी देकर मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाने के लिए प्रेरित करना मेरे दैनिक काम का हिस्सा है। राजनीतिक नेताओं, सामाजिक नेताओं से लेकर शहरी लोगों द्वारा अस्पताल के मरीजों की मदद करके जन्मदिन, त्यौहार, तिथि मनाने से यह स्पष्ट है कि समाज में मानवता अभी भी जीवित है।

कड़ीवाला ने आगे कहा, च्मेरे लिए जन्मदिन मनाने का मतलब केक काटना या पार्टी करना नहीं है, बल्कि गायों की सेवा करना और मरीजों की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त करना है। लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

इस अवसर पर मानसिक रोग विभाग एवं शासकीय नर्सिंग कॉलेज की ओर से मानसिक रोग से संबंधित प्रदर्शनी लगाई गई। साथ ही नर्सिंग छात्राओं ने नशे को ना कहें, नशामुक्ति एवं अंगदान विषय पर नाटक प्रस्तुत किया।

श्री कड़ीवाला के जन्मदिन समारोह के अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गणेश गोवेकर, डॉ. केतन नायक, मनोचिकित्सा विभाग की प्रमुख डॉ. ऋांभरा मेहता, सरकारी नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्य डॉ. इंद्रावती राव, दिनेश अग्रवाल, डॉ.कमलेश दवे,डॉ. सोनलबेन पंड्या, वीरेन पटेल नीलेश लाठिया, विभोर चुघ, जगदीश बुहा, संजय परमार, बिपिन मेकवान सहित डॉक्टर, नर्सिंग एसोसिएशन टीम, स्टाफ उपस्थित थे।

कलर्स का 'खतरों के खिलाड़ी 13': सेमीफाइनल में डबल एलिमिनेशन का खतरा

कलर्स के 'खतरों के खिलाड़ी 13' में प्रतियोगियों और उनके डर के बीच की लड़ाई लगातार दर्शकों का मनोरंजन कर रही है और उनकी साहस की भावना दिखाती है। भारत का पसंदीदा स्टंट-आधारित रियलिटी शो आगामी एपिसोड में अपने सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा और इसके चुनौतीपूर्ण स्टंट डबल एलिमिनेशन के ट्विस्ट के साथ बिल्कुल नए स्तर का डर पैदा करेंगे। इस सीज़न में पहली बार, सभी प्रतियोगी स्टंट करते नज़र आएंगे और शीर्ष तीन परफॉर्मर्स को उनकी रैंक के आधार पर पॉइंट दिए जाएंगे। सबसे कम स्कोर करने वाले प्रतियोगियों को एलिमिनेशन राउंड में प्रतिस्पर्धा करनी होगी। एलिमिनेशन स्टंट में कमज़ोर प्रदर्शन करने वाले दो डेयरडेविल्स शो को अलविदा कहेंगे।

सेमीफाइनल के पहले स्टंट में सभी प्रतियोगियों में पानी और ऊंचाई का डर पैदा होगा। इसमें प्रतियोगियों को एक वॉटर बॉडी के ऊपर एक रिग से लटकी रस्सियों पर खड़े होकर खुद को संतुलित रखना होगा। इन डेयरडेविल्स को अपने शरीर के वज़न को संभालते हुए इस रिग के पार पहुंचना होगा और पानी में गिरने से बचना होगा। दूसरे स्टंट में प्रतियोगियों को सांस लेना भी मुश्किल हो जाएगा क्योंकि उन्हें टी बैग्स की तरह एक वॉटरबॉडी में डुबोया जाएगा और खुद को अनलॉक करने का काम सौंपा जाएगा। तीसरे स्टंट के लिए, सभी प्रतियोगियों को सेन्ट्रीफ्यूगल इक्विपमेंट से बांध दिया जाता है, जो घूमते हुए एक बिंदु से दूसरे बिंदु तक ज़िपलाइन की तरह जाता है। ज़िपलाइन को पूरा करने के बाद, उन्हें पानी में गोता लगाना होगा और कयाकिंग करते हुए वॉटरबॉडी के किनारे पर जाना होगा, जहां उन्हें ब्लास्ट करना होगा। अगले स्टंट में प्रतियोगियों को अन्य बाधाओं के बीच इलेक्ट्रिक शॉक का सामना करते हुए पज़ल के टुकड़ों को एक साथ रखना होगा। एलिमिनेशन स्टंट में, डेयरडेविल्स को एक तख्ते पर साइकिल चलानी होगी, उस पर से कूदना होगा, तख्ते पर लगे जाल को पकड़ना होगा और जाल में लगे झंडों को इकट्ठा करना होगा। पहले कभी न देखे गए स्टंट्स करके अच्छा स्कोर करना प्रतियोगियों के लिए आसान नहीं होगा क्योंकि आगामी एपिसोड में डबल एलिमिनेशन का डर मंडरा रहा होगा।

बीएसएच होम एप्लायंसेस ने ग्राहकों को खुश करने के लिए सूरत में निःशुल्क सर्विस कैंप की शुरुआत की

होम एप्लायंसेस इंडस्ट्री में वैश्विक प्रमुख, बीएसएच हॉसगेरेट जीएमबीएच (BSH Hausgeräte GmbH) की सहायक कंपनी, बीएसएच होम एप्लायंसेस (BSH Home Appliances) प्राइवेट लिमिटेड ग्राहकों के लिए अपनी प्रतिबद्धता को प्रखर रखते हुए, बॉश (Bosch) और सीमेंस (Siemens) एप्लायंसेस के लिए भारत के बाजारों में निःशुल्क सर्विस कैंप का आयोजन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस सर्विस कैंप की शुरुआत 9 अक्टूबर को होगी, जो कि 14 अक्टूबर, 2023 को सम्पन्न होगा।

इस सर्विस कैंपेन पर अपने विचार साझा करते हुए, सत्यनारायणन विश्वनाथन, चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर और हेड-बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन, बीएसएच हाउसहोल्ड एप्लायंसेस इंडिया, ने कहा, "बीएसएच होम एप्लायंसेस में, हम ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण का पालन करते हैं और हमारे तमाम प्रोडक्ट्स और सर्विसेस ग्राहकों को खुश करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पर ध्यान केन्द्रित करते हैं। हमें मौजूदा त्योहारी सीज़न के अनुरूप भारत के तमाम बाजारों में इस निःशुल्क सर्विस कैंप का आयोजन करते हुए खुशी हो रही है। यह हमारे मूल्यवान ग्राहकों के प्रति आभार व्यक्त करने और उन्हें अद्वितीय सेवा अनुभव प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।"

इस कैंप के दौरान ग्राहकों को विभिन्न लाभ प्राप्त होंगे, जिसमें विस्तारित वॉरंटी, स्पेयर पार्ट्स, एक्सेसरीज़ और अन्य वस्तुओं पर विशेष छूट, और साथ ही बॉश एवं सीमेंस एप्लायंसेस के लिए यात्रा और श्रम शुल्क पर पूर्ण छूट शामिल है। बीएसएच कस्टमर सर्विस, सामग्रियों और एक्सेसरीज़ की एक विविध श्रृंखला प्रदान करती है, जिसमें डीस्केलर्स, डिटर्जेंट्स, डिशवॉशर टेबलेट्स, डस्ट कवर्स और पेडेस्टल्स आदि शामिल हैं। यह कैंप ग्राहकों को अपने बॉश और सीमेंस एप्लायंसेस का पेशेवर रूप से निरीक्षण, सेवा और मरम्मत करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करेगा, जिससे सर्वोत्तम प्रदर्शन सुनिश्चित होगा और उनके प्रोडक्ट्स का जीवनकाल भी बढ़ेगा।

ग्राहक को इसकी अनिवार्य आवश्यकता के रूप में 1800-266-1880 पर कॉल करके या service.in@bosch-home.com पर ईमेल करके समस्त लाभों की प्राप्ति के लिए एफएससी अवधि के दौरान पूर्व-पंजीकरण करना होगा।

आईपीएल-मॉडल बोट रेस ने हर मौसम के गन्तव्य के रूप में केरल की स्थिति मजबूत की ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये चैम्पियंस बोट लीग का दायरा बढ़ाया गया

सूरत भूमि, सूरत ।

घरेलू पर्यटकों की संख्या में शानदार वृद्धि दर्ज करने के बाद, केरल ने अपने अभिनव उत्पादों, जैसे कि आईपीएल-मॉडल चैम्पियंस बोट लीग (सीबीएल) रेसेस, के साथ हर मौसम के लिये एक प्रमुख अनुभवपरक गंतव्य के रूप में अपना आकर्षण और बढ़ा लिया है। इस प्रकार दक्षिण के इस राज्य को एक बेहद पसंदीदा पर्यटक केन्द्र के तौर पर अपनी स्थिति और मजबूत करने में मदद मिली है।

एक सप्ताह तक के ओणम उत्सव में पर्यटकों का आगमन बढ़ा था। पिछले महीने शुरू हुए वार्षिक आईपीएल-मॉडल सीबीएल के तीसरा संस्करण से आशा है कि राज्य के सभी क्षेत्रों में घरेलू पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी।

केरल के अप्रवाही पानी में होने जा रही चैम्पियंस बोट लीग, एक दुर्लभ दृश्य होता है। जहाँ अनेक खेवैयों द्वारा संचालित शानदार नावें (चुन्दन वल्लम) उत्साह और उमंग का वातावरण उत्पन्न करते हुए हरित मणि सरीखे अप्रवाही जल पर दौर ही प्रतिस्पर्धा करती हैं।

घरेलू पर्यटकों के आगमन में बढ़ोतरी पर अपनी बात रखते हुए, पर्यटन मंत्री श्री पी. ए. मोहम्मद रियास ने कहा, "सरकार महामारी के बाद केरल में घरेलू पर्यटकों का आगमन में वृद्धि को और तेज करने के लिए सभी प्रयास कर रही है।"

श्री रियास ने आगे कहा, "चैम्पियंस बोट लीग सीजन राज्य में ओणम के साप्ताहिक उत्सव के ठीक बाद आता है। यह पर्यटकों के लिये केरल आने और उसके विभिन्न आकर्षणों का आनंद लेने का एक रोचक समय होता है।"

उन्होंने आगे यह भी कहा कि, "हमारे दौर के पर्यटकों की माँग और पसंद के अनुसार, केरल ने अपने मौजूदा उत्पादों का दायरा बढ़ाने और राज्य की अनूठी खूबियों को आगे लाने के अलावा कुछ आकर्षक उत्पाद लॉन्च किये हैं। इस साल

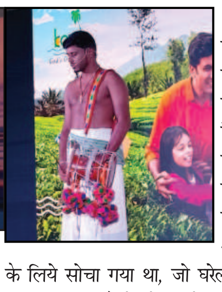

हम नये पर्यटन उत्पादों का अनुभव लेने के लिये ज्यादा घरेलू पर्यटकों को आकर्षित करते हुए, अधिक प्रोत्साहन की आशा करते हैं।"

पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये अपनी अभिनव पहलों की पुष्टि के रूप में केरला टूरिज़्म को हाल ही में विदेशी बाजारों को प्रभावशाली संदेश प्रेषित करने के लिये पैसिफिक एशिया ट्रेवल असोसिएशन (पीएटीए) गोल्ड अवार्ड प्रदान किया गया है। पुरस्कार-विजेता कैम्पेन 'मेक अप फॉर लॉस्ट टाइम, पैक अप फॉर केरला' (खोए समय की भरपाई करें, केरल की यात्रा की तैयारी करें) को कोविड के बाद सामान्य स्थिति में आ रहे लोगों के लिये सोचा गया था, जो घरेलू पर्यटकों पर लक्षित था। इस कैम्पेन ने प्रिंट, रेडियो, ओओएच, डिजिटल वीडियो और बैनर्स (वेब पोर्टल्स) तथा सोशल मीडिया चैनल्स जैसे सभी प्रमुख मीडिया मंचों पर धूम मचाई थी।

देश में ज्यादा से ज्यादा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये, यात्रा व्यापार से जुड़ी नेटवर्किंग गतिविधियों की एक श्रृंखला की योजना बनाई गई है। इसमें व्यापार मेलों में भाग लेना और बी2बी ट्रेड मीट का आयोजन शामिल है। सितंबर के दौरान कोलकाता और विशाखापटनम और इस महीने की शुरुआत में पुणे और मुंबई में आयोजित पहली बी2बी ट्रेड मीट को उद्योग से बेहद प्रोत्साहक प्रतिक्रिया मिली थी।

बी2बी ट्रेड मीट में व्यापार के लिये हुई बातचीत के प्रभाव को और भी बढ़ाने की एक पहल के रूप में और गंतव्यों को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिये, मेजबान शहर के चुनिंदा टूर ऑपरेटर्स के लिये एक परिचय यात्रा (फैमिलिराइजेशन ट्रिप) की पेशकश हो रही है। 'गो केरला' नाम से यह परिचय यात्रा गंतव्यों पर जागरूकता बढ़ाने में सहायक होगी और संभावित यात्रा परिचालकों को केरल के नये उत्पादों का अनुभव देगी।

पर्यटन सचिव, श्री के. बीजू ने कहा कि व्यापार मेले और रोड शोज पर्यटकों के लिये राज्य के विभिन्न अनुभव दिखाने का सबसे बढ़िया माध्यम हैं।

श्री के. बीजू ने आगे कहा कि हालिया व्यापार मेलों ने केरल को शादियों के लिये एक भव्य गंतव्य के रूप में स्थापित किया है। केरल की बेजोड़ प्राकृतिक सुंदरता, सम्मोहक गंतव्य, ठहरने की उत्कृष्ट व्यवस्था और बैंक्वेट की सुविधाएं तथा कनेक्टिविटी उसे दुनिया में शादियों के लिये सर्वश्रेष्ठ गंतव्यों में से एक बनाती है। शांत पानी के किनारे सजे पाम के पेड़, प्राचीन समुद्रतट, रहस्यमय हिल स्टेशन और चाय के लहराते हुए बागान इस राज्य को एक नई शुरूआत के लिये आदर्श जगह बनाते हैं।

पर्यटन निदेशक श्री पी. बी. नूह ने बताया कि केरल की हाउसबोट्स, कारवाँ स्टे, जंगल लॉज, वन भ्रमण, होमस्टे, आयुर्वेद पर आधारित स्वास्थ्य समाधान, देहात भ्रमण और साहसिक गतिविधियाँ, जैसे कि हरी-भरी पहाड़ियों की ट्रैकिंग असली सौगात होगी, जो आगंतुकों को अनोखा अनुभव देंगी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)